Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 147
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,27 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 भाजपा राज में बाटी-चोखा नहीं, सिर्फ माटी-धोखा मिला: अखिलेश
4 अटल जी के 100 वर्ष: वो राजनेता जिन्होंने राष्ट्र को आकार दिया
5 कियारा-सिद्धार्थ ने दी बेटी के पहले क्रिसमस सेलिब्रेशन की झलक

वीर बाल दिवस पर साहिबजादों को नमन

सीएम योगी के आवास पर हुआ कीर्तन समागम

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की ■ गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के अंतर्गत भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए

लखनऊ। वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर शुक्रवार को पूरे देश में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप का आगमन हुआ और कीर्तन समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों की शहादत अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा है। उनका बलिदान युगों-युगों तक देशवासियों को कर्तव्यनिष्ठ, सत्यनिष्ठ और राष्ट्र के लिए समर्पित जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के अंतर्गत भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कीर्तन समागम में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की और गुरुवाणी के माध्यम से साहिबजादों के बलिदान को स्मरण किया।

उधर, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि साहिबजादों का अद्वितीय साहस, अटूट आस्था और अन्याय के विरुद्ध अडिग संकल्प मानव इतिहास में वीरता और त्याग का अमर प्रतीक है। उनका जीवन और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सत्य, धर्म और राष्ट्ररक्षा के मार्ग पर निरंतर प्रेरित करता रहेगा। गौरतलब है कि राष्ट्र 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों से संवाद करेंगे, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से बातचीत करेंगे और देश के बच्चों को संबोधित करेंगे।

साहिबजादे मजहबी कट्टरता के खिलाफ साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति का प्रतीक हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों (पुत्रों) का सर्वोच्च बलिदान क्रूर मुगल सल्तनत के खिलाफ भारत के अदम्य साहस, शौर्य और वीरता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। वीर बाल दिवस के मौके पर साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की याद में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि देश उन वीर सपूतों को याद कर रहा है जो भारत के अदम्य साहस, वीरता और शौर्य के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, आज हम अपने राष्ट्र के गौरव, वीर साहिबजादों को याद करते हैं। वे भारत के अदम्य साहस और शौर्य के सर्वोच्च आदर्शों के प्रतीक हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के खिलाफ चट्टान की तरह ऐसे खड़े रहे कि मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया। जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वह राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादे उस समय काफी युवा थे, लेकिन मुगल सम्राट औरंगजेब की क्रूरता पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, औरंगजेब जानता था कि यदि वह भारत की जनता में भय उत्पन्न करना चाहता है और उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर करना चाहता है, तो उसे सबसे पहले भारतीयों का मनोबल तोड़ना होगा। इसीलिए उसने साहिबजादों को अपना निशाना बनाया। लेकिन औरंगजेब और उसके सिपहसालार यह भूल गए थे कि हमारे गुरु साधारण मनुष्य नहीं थे। वे तपस्या और त्याग के साक्षात अवतार थे। मोदी ने कहा कि माता गुजरी जी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चारों साहिबजादों का साहस और आदर्श प्रत्येक भारतीय को शक्ति प्रदान करते रहते हैं। उन्होंने कहा, साहिबजादा अजीत सिंह जी, साहिबजादा जुझार सिंह जी, साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी को बहुत कम उम्र में ही उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा था। यह संघर्ष महज सत्ता के लिए नहीं था, बल्कि भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच टकराव था। यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी।

सार संक्षेप

भाजपा को बड़ा झटका, अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी साल की शुरूआत से पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने भाजपा छोड़कर अब सूबे की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी फेस पर्णो मित्रा ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी जॉइन करने के बाद पर्णो ने अपने भाजपा में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है।बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी जॉइन करने को अपने लिए बड़ा अवसर भी बताया। उन्होंने भाजपा को लेकर कहा कि छह साल पहले मैंने भाजपा जॉइन की थी। वहां चीजें ठीक नहीं थीं। गौरतलब है कि पर्णो मित्रा पश्चिम बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा हैं। पर्णो ने 2019 में भाजपा जॉइन कर अपने राजनीतिक सफर का आगाज किया था। भाजपा ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णो को उम्मीदवार भी बनाया था। हालांकि, पर्णो मित्रा तब चुनाव हार गई थीं।

30 करोड़ की संपत्ति और पाकिस्तानी कनेक्शन, शम्सुल हुदा खान पर ईडी ने कसा शिकंजा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने ब्रिटेन में रह रहे उत्तर प्रदेश के इस्लामी उपदेशक शम्सुल हुदा खान के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, खान पर पाकिस्तानी संगठन सहित कट्टरपंथी संगठनों से संबंध होने के आरोप हैं। उन्होंने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज यह मामला उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की प्राथमिकी पर आधारित है। संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक, खान को 1984 में उत्तर प्रदेश के एक सरकारी सहायता प्राप्त मदरसे में सहायक शिक्षक नियुक्त किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, आरोप है कि उसने 2013 में ब्रिटेन की नागरिकता हासिल कर ली, लेकिन इसके बावजूद 2013 से 2017 के बीच विदेश में रहते हुए भी वेतन लेता रहा, जबकि उस अवधि में वह न तो भारतीय नागरिक था और न ही शिक्षण कार्य कर रहा था। खान से इस मामले पर प्रतिक्रिया के लिए संपर्क नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है ।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

राष्ट्रपति मुर्मु ने 18 राज्यों के 20 प्रतिभाशाली बच्चों को किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न क्षेत्रों में 18 राज्यों के 20 साहसी बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया है। मुर्मू ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में एक समारोह में इन बच्चों के उनके असाधारण कार्यों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने पुरस्कार पाने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, अपने समुदायों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मान पाने वाले इन बच्चों से देश के अन्य सभी बच्चे प्रेरित होंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व, सिख पंथ के दसवें गुरु और सभी भारतवासियों के लिए पूजनीय गुरु गोबिन्द सिंह जी और उनके चारों बेटों ने सत्य और न्याय के पक्ष में युद्ध और संघर्ष करते हुए बलिदान दिया था। इस दिन हम सब उनके दो सबसे छोटे साहिबजादों का स्मरण करते हैं जिनकी वीरता का सम्मान देश-विदेश में किया जाता है। मुर्मू ने कहा मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि सभी पुरस्कार विजेता बच्चों ने अलग-अलग क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिये हैं। वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवोचार, विज्ञान तथा तकनीकी, समाज-सेवा और खेल-कूद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आपकी असाधारण बाल-प्रतिभा का परिचय प्राप्त हुआ है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पुरस्कार पाने वाले बच्चों ने वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनका कहना था कि सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के कारण ही भारत विश्व पटल पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अजय राज और मोहम्मद सिदान पी. ने अपनी वीरता और सूझबूझ से दूसरों की जान बचाकर अत्यंत प्रशंसनीय काम किया है। इसी तरह से नौ वर्षीय बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह वर्षीय बहादुर बेटे कम्लेश कुमार ने अपने साहस से दूसरों की जान बचाते हुए अपने प्राण गंवा दिए। राष्ट्रपति ने कहा कि यह गौरव की बात है कि दस वर्षीय श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े जोखिमों के बावजूद अपने घर के पास सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नियमित रूप से पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई। वहीं, दिव्यांग बेटी शिवानी होसुरू उप्पारा ने आर्थिक और शारीरिक सीमाओं को पार करते हुए खेल जगत में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अत्यंत प्रतिस्पर्धी और प्रतिभा-समृद्ध क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है और कई रिकॉर्ड स्थापित किए। मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे साहसी और प्रतिभाशाली बच्चे आगे भी अच्छे कार्य करते रहेंगे और भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे।

हाईकोर्ट ने जीएसटी घटाने की मांग वाली याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर एयर प्यूरीफायर पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) घटाने की मांग कर रही याचिका पर शुक्रवार को केंद्र को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति विकास महाजन और न्यायमूर्ति विनोद कुमार की अवकाशकालीन पीठ ने केंद्र सरकार को याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ जनवरी की तारीख तय की केंद्र के वकील ने अदालत को बताया कि जीएसटी परिषद की बैठक होनी है और यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित करना संभव नहीं है। केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत उस जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र सरकार को एयर प्यूरीफायर को ष्चिकित्सा उपकरण की श्रेणी में रखने और वस्तु एवं सेवा कर घटाकर पांच प्रतिशत करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। वर्तमान में एयर प्यूरीफायर पर 18 प्रतिशत कर है। अधिवक्ता कपिल मदन द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न अत्यंत आपातकालीन संकटष को देखते हुए, एयर प्यूरीफायर को लग्जरी की वस्तु नहीं माना जा सकता है। उच्च न्यायालय ने 24 दिसंबर को जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक करने और एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने या समाप्त करने पर विचार करने का निर्देश दिया था।

2026 में सरकारी बैंकों के एकीकरण को मिलेगी गति

विश्वस्तरीय बैंक बनाने की तैयारी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एकीकरण की प्रक्रिया आने वाले वर्ष में तेज हो सकती है, क्योंकि सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य के तहत देश में अधिक बड़े और विश्वस्तरीय बैंक बनाने की इच्छा जताई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने कहा था कि भारत को कई बड़े, विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है और इस दिशा में काम पहले ही शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा था कि सरकार ने इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र में एकीकरण के स्पष्ट संकेत मिले हैं। इस समय देश में 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं। परिसंपत्तियों के आधार पर दुनिया के शीर्ष 50 बैंकों में देश से सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक ही शामिल है। परिसंपत्तियों के आधार

पर एसबीआई वैश्विक स्तर पर 43वें स्थान पर है। इसके बाद निजी क्षेत्र का एचडीएफसी बैंक 73वें स्थान पर है। सरकार पहले ही दो चरणों में बैंकों का एकीकरण कर चुकी है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या 27 से घटकर 12 रह गई। इसके तहत यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में विलय किया गया। सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में विलय हुआ, इलाहाबाद बैंक को इंडियन बैंक में मिलाया गया, तथा आंध्रा बैंक और कॉरपोरेशन बैंक को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में शामिल किया गया। इससे पहले देना बैंक और विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय किया गया था। सरकार ने आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है ।

भारत की सभ्यतागत शक्ति और युवा बल बनेगा विश्वगुरु, आरएसएस के प्रयासों की सराहना : नायडू

आंध्र प्रदेश। तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नायडू ने सम्मेलन को भारत और भारतीयता की अवधारणा पर विचार-विमर्श करने के लिए एक उपयुक्त मंच बताया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक स्रोत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय विकास में योगदान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयासों की सराहना की।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सभ्यतागत शक्ति, ज्ञान की परंपराएं और युवा जनसांख्यिकीय लाभ देश को विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंचाएंगे और

इसे एक वैश्विक महाशक्ति बनाएंगे। तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नायडू ने सम्मेलन को भारत और भारतीयता की अवधारणा पर विचार-विमर्श करने के लिए एक उपयुक्त मंच बताया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक स्रोत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय विकास में योगदान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत समाज में मूल्यों, नैतिकता और नैतिक आधार को मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं और भारत की मजबूत पारिवारिक व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं जो सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है। नायडू ने भगवत के जनसंख्या वृद्धि के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र की आबादी की चुनौती का सामना कर रहे कई देशों के विपरीत, भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति एक प्रमुख संपत्ति बन गई है। अतुलनीय युवा शक्ति के साथ, भारत में विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने भारत की प्राचीन वैज्ञानिक और बौद्धिक विरासत का हवाला देते हुए कहा कि देश प्राचीन काल से ही ज्ञान का महाशक्तिस्थल रहा है। नायडू ने उन्नत शहरी नियोजन के प्रारंभिक प्रमाण के रूप में हड़प्पा सभ्यता का उल्लेख किया और बताया कि योग का अभ्यास भारत में लगभग 2,900 वर्ष पूर्व से होता आ रहा है और अब 150 से अधिक देशों में इसका पालन किया जाता है।

दिल्ली की हवा फिर जहरीली

एक्यूआई 310 पर पहुंचा, जहांगीरपुरी-अनंद विहार सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले दो दिन मामूली सुधार रहने के बाद शुक्रवार को वायु गुणवत्ता एक बार फिर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 310 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के 40 निगरानी केंद्रों में से कम से कम 24 केन्द्रों पर वायु गुणवत्ता बेहद खराब दर्ज की गई। इसमें जहांगीरपुरी और आनंद विहार 395 एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित इलाके रहे। वहीं लोधी रोड पर एक्यूआई 185 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। पिछले दो दिनों के दौरान दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई थी। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) ने अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता ह्यबेहद खराबह्व श्रेणी में बने रहने का अनुमान व्यक्त किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, वर्तमान में हवा की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे से कम है, जो प्रदूषक तत्वों के छितराव के लिए प्रतिकूल है। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बेहद खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना जताई है।

डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथिः खरगे-राहुल-प्रियंका ने दी भावुक श्रद्धांजलि

दृढ़ निश्चयी, साहसी और गरिमापूर्ण व्यक्तित्व की थे मिसाल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने देश के आर्थिक विकास को जो दिशा दी वह भारत की समृद्धि का मजबूत आधार बन गया है। खरगे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर, हम भारत के राष्ट्र निर्माण में उनके अपार योगदान को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं। एक परिवर्तनकारी नेता के रूप में, उन्होंने देश के आर्थिक पथ को नया रूप दिया और आर्थिक सुधारों के माध्यम से लाखों लोगों के लिए अवसरों का विस्तार किया तथा लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। अपनी विनम्रता, सत्यनिष्ठा और बुद्धिमत्ता के लिए विख्यात डॉ सिंह ने गरिमा और करुणा के साथ देश का नेतृत्व किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रगति समावेशी बनी रहे और कल्याणकारी लाभ सब जरूरतमंदों तक पहुँचें। उन्होंने कहा डॉ मनमोहन सिंह का देश की सभी नागरिकों के लिए अधिकार-आधारित प्रतिमान इसी दृष्टिकोण का प्रमाण है। हमने उनके दृष्टिकोण के तहत एक मजबूत भारत का निर्माण किया। हम एक ऐसे राजनेता को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिनकी ईमानदार सार्वजनिक सेवा और स्थायी सुधारों की विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। राहुल गांधी ने कहा डॉ. मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। अपने दूरदर्शी नेतृत्व से उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त किया। देश के वंचितों और गरीबों के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों और साहसिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उनकी विनम्रता, कर्मठता और ईमानदारी हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री एवं रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। डॉ सिंह समानता में विश्वास रखने वाले, दृढ़ निश्चयी, साहसी और गरिमापूर्ण व्यक्तित्व की मिसाल थे, जो सच्चे अर्थों में देश की प्रगति के लिए समर्पित रहे। उनकी सादगी, ईमानदारी और देश के प्रति उनका समर्पण सदैव हम सबको प्रेरणा देता रहेगा।

पश्चिम रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न

मुंबई: पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 26 दिसंबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका ह्यई-राजहंसह्न के 61वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से किया गया। इसके साथ ही रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार पश्चिम रेलवे में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित हिंदी निबंध, वाक और हिंदी टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिताओं में विजेता 19 प्रतिभागियों को महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि एवं राजनेता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती भी मनाई गई। उनके जीवन के संक्षिप्त परिचय से सदस्यों को अवगत कराया गया और उनकी एक प्रसिद्ध कविता ह्यगीत नया गाता हूंह्न का गायन द्वारा प्रस्तुतिकरण भी किया गया। राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि उनका दायित्व है कि वे अपने-अपने कार्यस्थल पर राजभाषा को प्रोत्साहित करें साथ ही उन्होंने अपेक्षा की कि जो कर्मी रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में सहभागिता करेंगे वे भी पश्चिम रेलवे का परचम लहराएं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा राजभाषा के संबंध में जो भी दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं उसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री विनीत गुप्ता ने समिति के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुखों, सभी अपर मंडल रेल प्रबंधक, सभी मुख्य कारखाना प्रबंधक और अन्य अधिकारियों का स्वागत करते हुए पुस्तकों और पुस्तकालयों के महत्व के संबंध में कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनेस्को ने 23 अप्रैल को ह्यविश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवसह्न के रूप में घोषित किया है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य पुस्तकों के महत्व को उजागर करना और साहित्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में जब सभी प्रकार की सूचनाएं वेबसाइटों के माध्यम से प्रसारित हो रही हैं तब सभी मंडलों/कारखानों/विभागों की वेबसाइट का अद्यतन होना आवश्यक है। जब कभी वेबसाइट पर कोई भी सामग्री अपलोड की जाती है तो यह निश्चित किया जाए कि वह सामग्री दोनों ही भाषाओं में अपलोड की जा रही है। बैठक में अधिकारियों के लिए एक राजभाषा प्रश्न-मंच का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया। पश्चिम रेलवे में जुलाई से सितंबर-2025 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़े समिति की सदस्य सचिव श्रीमती सुनीता अहिरे द्वारा प्रस्तुत किए गए। पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस बैठक में पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री कुलदीप कुमार जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सड़क संरक्षा परियोजनाएं) श्री अमित कुमार मनुवाल, प्रमुख वित्त सलाहकार श्रीमती ऋचा खरे, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री विद्याधर अविनाश मालेगांवकर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती मंजुला सक्सेना, श्री अमित गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, श्री रजनीश कुमार, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक, उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री उज्ज्वल देव, सचिव/पश्चिम रेलवे श्री सचिन अशोक शर्मा सहित सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं सभी कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक आदि अधिकारी उपस्थित थे। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कानपुर रजिस्ट्री कार्यालय पर आयकर विभाग का छापा करोड़ों के स्टांप शुल्क डाटा में मिला बड़ा अंतर

कानपुर। कानपुर रजिस्ट्री कार्यालय में स्टांप शुल्क के सरकारी डाटा और वास्तविक रिकॉर्ड में करोड़ों का अंतर मिलने पर आयकर विभाग की क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने छापेमारी की है। कानपुर शहर के निबंधन कार्यालय में गुरुवार को आयकर विभाग की क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने छापा मारकर जांच की। यह कार्रवाई असिस्टेंट कमिश्नर के निर्देशन में गठित तीन सदस्यीय टीम द्वारा की गई, जो दोपहर बाद भारी पुलिस बल के साथ रजिस्ट्री कार्यालय पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, यह छापा प्रति रजिस्ट्री किसी हेराफेरी को लेकर नहीं, बल्कि एक दिन में हुई रजिस्ट्रियों से जुड़े स्टांप शुल्क के कुल डाटा में सामने कई करोड़ रुपये के अंतर को लेकर मारा गया है। बुधवार को हुई रजिस्ट्रियों से संबंधित आंकड़ों में यह अंतर सामने आने के बाद आयकर विभाग ने जांच शुरू की। कार्यालय के कर्मचारियों से भी आवश्यक जानकारी ली बताया जा रहा है कि रजिस्ट्री विभाग की ओर से इंडस्ट्री से जुड़े स्टांप शुल्क का जो डाटा आयकर विभाग को भेजा गया था, वह वास्तविक रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रहा था। इसी असमानता की पुष्टि के लिए आयकर विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अभिलेखों की गहन जांच की। जांच के दौरान टीम ने डिजिटल और मैनुअल दोनों प्रकार के रिकॉर्ड, स्टांप शुल्क की गणना से संबंधित विवरण और डाटा ट्रांसफर प्रक्रिया की पड़ताल की। इस दौरान कार्यालय के कर्मचारियों से भी आवश्यक जानकारी ली गई।

चौकी इंचार्ज की अभद्रता पर भड़के भाजपाई थाने में घंटों चला हंगामा और धरना

कानपुर। अशोक नगर चौकी इंचार्ज की अभद्रता के विरोध में सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने नजीराबाद थाने में धरना दिया। एसीपी की जांच रिपोर्ट के बाद दोषी दरोगा पर कार्रवाई होगी। कानपुर में नजीराबाद थाना क्षेत्र के अशोक नगर में भाजपा कार्यकताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक का मामला सामने आया है। चौकी इंचार्ज द्वारा एक भाजपा कार्यकर्ता के साथ कथित अभद्र व्यवहार से नाराज होकर सैकड़ों कार्यकताओं ने थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। सीसामऊ विधानसभा के कई मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने पहुंचे। अभद्रता की खबर फैलते ही कार्यकताओं ने नजीराबाद थाने के अंदर ही धरना दे दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मामला बढ़ता देख बीजेपी जिलाध्यक्ष, एडीसीपी सेंट्रल और एसीपी मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद ही कार्यकताओं का गुस्सा शांत हुआ। दोषी पाए जाने पर चौकी इंचार्ज पर होगी कार्रवाई कौशलपुरी मंडल महामंत्री नरेन्द्र अग्रवाल ने आरोप लगाया कि अशोक नगर चौकी इंचार्ज ने उनके साथ पद की गरिमा के विरुद्ध व्यवहार किया। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। एसीपी कर्नलगंज को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में चौकी इंचार्ज दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

घर में सेंध काटकर लाखों के सामान उठा ले गए चोर

मानिकचंद। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के तेलियाडीह गांव में मंगलवार की रात में अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। पीछे की तरफ से सेंध काटकर चोरी घर में घुस गए। परिवार के लोग बाहर बरामदे में सो रहे थे। सुबह परिजनों की जब नींद खुली तो घर से नकदी, जेवरात, गहने आदि कीमती सामान गायब मिले। तेलियाडीह गांव निवासी वासुदेव पुत्र शिवमूरत ने बताया कि रात में वह अपने घर के सदस्यों के साथ बाहर बरामदे में सोए हुए थे। अज्ञात चोर पीछे की तरफ से सेंध काटकर उनके घर में घुस गए । इसकी जानकारी सुबह नींद खुलने के बाद हुई। घर में रखा बॉक्स गायब मिला। अन्य सामान बिखरे पड़े हुए थे। बक्से में सोने का झाला, पॉयल, चांदी के पावजेब, सोने का माला सहित कई जेवरात और 15 हजार नकदी भी थे। सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। चोरों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें भी लगाई गई है।

दो लोगों से 20.72 लाख की ठगी

बस्ती। डिजिटल इंडिया के दौर में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ठगों ने दो अलग-अलग व्यक्तियों के खातों से कुल 20.72 लाख रुपये पार कर दिए। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। पहला मामला पुरानी बस्ती क्षेत्र का है। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एक अनजान डी 26.5 पैसा न्यूबी ग्रोथ कैंप इंवेस्टमेंट चैन के लिए पीड़ित से साइबर फ्राड करके ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से अज्ञात व्यक्ति द्वारा कुल 1916070 रुपये का फ्राड कर लिया गया। इसी तरह दूसरा मामला दुबौलिया के ग्राम सेमरा मुस्तहकम में हुआ। पीड़िता के खाते से फिंगर प्रिंट व पासवर्ड का गलत इस्तेमाल करते हुए ।

भारतीय रेलवे अगले 5 सालों में बड़े शहरों में ट्रेन क्षमता को दोगुना करने की योजना बना रहा है

बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने, भीड़ कम करने और देश भर में कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार: श्री अश्विनी वैष्णव,व्यस्त स्टेशनों पर ट्रैफिक कम करने के लिए क्षमता बढ़ाने के फायदों का लाभ उठाने के लिए जोन से छोटे और मध्यम अवधि के कदम मांगे गए हैं

गोरखपुर : यात्रा की मांग में तेजी से लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए, अगले 5 सालों में प्रमुख शहरों में नई ट्रेनें शुरू करने की क्षमता को मौजूदा स्तर से दोगुना करने की जरूरत है। आने वाले सालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना होगा। साल 2030 तक ट्रेनों को शुरू करने की क्षमता को दोगुना करने के कामों में निम्नलिखित काम शामिल होंगे: मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं के साथ बढ़ाना। शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनल पहचानना और बनाना। रखरखाव सुविधाएं, जिसमें मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स शामिल हैं। . विभिन्न बिंदुओं पर बढ़ी हुई ट्रेनों को संभालने के लिए आवश्यक ट्रैफिक सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग अपग्रेडेशन और मल्टीट्रैकिंग के साथ सेक्शनल क्षमता बढ़ाना। टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय, टर्मिनलों के आसपास के स्टेशनों पर भी विचार किया जाएगा ताकि क्षमता समान रूप से संतुलित हो। उदाहरण के लिए, पुणे के लिए, पुणे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और स्टेबलिंग लाइन बढ़ाने के साथ-साथ हडपसर, खड़की और आलंदी पर भी क्षमता बढ़ाने पर विचार किया गया है। उपरोक्त काम उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों तरह के ट्रैफिक के लिए किया जाएगा, दोनों सेगमेंट की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए। 48 प्रमुख शहरों की एक व्यापक योजना पर विचार किया जा रहा है (सूची संलग्न)। इस योजना में ट्रेनों को संभालने की क्षमता को समयबद्ध तरीके से दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियोजित, प्रस्तावित या पहले से स्वीकृत कार्य शामिल होंगे। हालांकि क्षमता को दोगुना करने का प्लान 2030 तक का है, लेकिन उम्मीद है कि अगले 5 सालों में क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा ताकि क्षमता बढ़ने का फायदा तुरंत मिल सके। इससे आने वाले सालों में ट्रैफिक की जरूरत को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस प्लान में कामों को तीन कैटेगरी में बांटा जाएगा, यानी तुरंत, शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म। प्रस्तावित प्लान खास होंगे, जिनमें साफ टाइमलाइन और तय नतीजे होंगे। हालांकि यह काम खास स्टेशनों पर फोकस करता है, लेकिन हर जोनल रेलवे से कहा गया है कि वे अपने डिवीजनों में ट्रेन हैंडलिंग क्षमता बढ़ाने का प्लान बनाएं, यह पक्का करते हुए कि न सिर्फ टर्मिनल क्षमता बढ़े, बल्कि स्टेशनों और यार्डों पर सेक्शनल क्षमता और ऑपरेशनल दिक्कतों को भी प्रभावी ढंग से हल किया जाए। रेलवे, सूचना और प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ह्नहम बढ़ते यात्रियों की मांग को पूरा करने और भीड़ कम करने के लिए अलग-अलग शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार कर रहे हैं, सेक्शनल और ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। इस कदम से हमारा रेलवे नेटवर्क अपग्रेड होगा और देश भर में कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के मध्य खेले गये मैच के दृश्य

गोरखपुर: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 के तीसरे दिन 26 दिसम्बर, 2025 को मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे ने दक्षिण पश्चिम रेलवे को 13-05 से शिकस्त दी। पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा प्रवेश, रोहित, आकाश, आशीष एवं सुरेन्द्र चैम्पियनशिप में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर रहे हैं। आज के अन्य मैचों में दक्षिण पूर्व रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) को 28-15; उत्तर रेलवे ने रेलवे बोर्ड को 38-10 एवं उत्तर पश्चिम रेलवे को 31-13; मध्य रेलवे ने उत्तर मध्य रेलवे को 10-07, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) ने पूर्व मध्य रेलवे को 42-28; पश्चिम

रेलवे ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को 57-46; पूर्व रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे को 37-31 तथा रेल पहिया कारखाना (आर.डब्ल्यू.एफ.) ने पटियाला रेल इंजन कारखाना (पी.एल.डब्ल्यू.) को 28-16 से पराजित किया। ज्ञातव्य है कि इस चैम्पियनशिप में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक कबड्डी खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों की टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसमें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित उत्तर रेलवे के श्री संजीव कुमार, पूर्व रेलवे के श्री विश्वजीत पालित एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे की श्रीमती तेजस्वनी बाई सम्मिलित हैं। साथ ही चीन में हुये एशियन खेलों में पूर्वोत्तर रेलवे के सुनील एवं प्रवेश, उत्तर रेलवे के नितिन रावल तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के नितेश प्रतिभाग कर चुके हैं। इस कबड्डी प्रतियोगिता को देखने हेतु भारी संख्या में कबड्डी प्रेमी एवं खिलाड़ी सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। 25 दिसम्बर, 2025 को देर सायं खेले गये मैचों में दक्षिण पूर्व रेलवे ने उत्तर रेलवे को 17-15; पूर्व रेलवे ने उत्तर मध्य रेलवे को 26-13; पूर्व मध्य रेलवे ने पश्चिम रेलवे को 35-34, उत्तर पश्चिम रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) को 31-29 तथा पटियाला रेल इंजन कारखाना (पी.एल.डब्ल्यू.) ने दक्षिण पश्चिम रेलवे को 26-11 से पराजित किया। देर सायं दक्षिण पूर्व रेलवे एवं रेलवे बोर्ड के मध्य मैच खेला जा रहा है।

रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 05107/05108 औंड़िहार-प्रयागराज रामबाग-औंड़िहार माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन औंड़िहार से 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को तथा प्रयागराज रामबाग से 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को 27 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05107 औंड़िहार-प्रयागराज रामबाग माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को औंड़िहार से 06.45 बजे प्रस्थान कर रजवारी से 06.58 बजे, कादीपुर से 07.08 बजे, सारनाथ से 07.18 बजे, वाराणसी सिटी से 07.40 बजे, वाराणसी जं. से 08.00 बजे, बनारस से 08.20 बजे, हरदत्तपुर से 08.30 बजे, राजातालाब से 08.40 बजे, निगतपुर से 08.52 बजे, कछवा रोड से 09.00 बजे, कटका से 09.09 बजे, माधो सिंह से 09.19 बजे, ज्ञानपुर रोड से 09.40 बजे, भीटी से 10.00 बजे, हंडिया खास से 10.09 बजे, रामनाथपुर से 10.25 बजे तथा झूसी से 10.45 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 11.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05108 प्रयागराज रामबाग-औंड़िहार माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को प्रयागराज रामबाग से 20.30 बजे प्रस्थान कर झूसी से 20.50 बजे, रामनाथपुर से 21.05 बजे, हंडिया खास से 21.23 बजे, भीटी से 21.32 बजे, ज्ञानपुर रोड से 21.50 बजे, माधो सिंह से 22.04 बजे, कटका से 22.14 बजे, कछवा रोड से 22.23 बजे, निगतपुर से 22.31 बजे, राजातालाब से 22.41 बजे, हरदत्तपुर से 22.49 बजे, बनारस से 23.15 बजे, वाराणसी जं. से 23.35 बजे, वाराणसी सिटी से 23.55 बजे, दूसरे दिन सारनाथ से 00.06 बजे, कादीपुर से 00.17 बजे तथा रजवारी से 00.25 बजे छूटकर औंड़िहार 01.30 बजे पहुँचेगी।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेत

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 00501 कासगंज-झूसी माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन कासगंज से 28, 29 एवं 30 दिसम्बर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये निम्नवत किया जायेगा। 00501 कासगंज-झूसी माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी 28, 29 एवं 30 दिसम्बर, 2025 को कासगंज से 15.00 बजे प्रस्थान कर बदायूँ से 15.50 बजे, बरेली सिटी से 17.00 बजे, इज्जतनगर से 17.30 बजे, भोजीपुरा से 18.10 बजे, पीलीभीत से 19.00 बजे, पूरनपुर से 19.40 बजे, मैलानी से 20.45 बजे, लखीमपुर से 21.27 बजे, सीतापुर से 22.20 बजे, बुढ़वल से 23.55 बजे, दूसरे दिन गोंडा से 01.05 बजे, बस्ती से 02.20 बजे, गोरखपुर से 04.10 बजे, देवरिया सदर से 05.05 बजे, भटनी से 05.30 बजे, बेलथरा रोड से 06.05 बजे, मऊ से 06.50 बजे, औंड़िहार से 07.55 बजे, वाराणसी सिटी से 08.55 बजे, वाराणसी जं. से 09.15 बजे, बनारस से 09.35 बजे, माधो सिंह से 10.20 बजे तथा ज्ञानपुर रोड से 10.40 बजे छूटकर झूसी 11.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर. के 02 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे। इसमें शयनयान श्रेणी के कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे।

लालकुआँ-प्रयागराज रामबाग माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआँ से 30 दिसम्बर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये निम्नवत किया जायेगा।

गोरखपुर, 26 दिसम्बर, 2025: रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 00502 लालकुआँ-प्रयागराज रामबाग माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआँ से 30 दिसम्बर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये निम्नवत किया जायेगा। 00502 लालकुआँ-प्रयागराज रामबाग माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी 30 दिसम्बर, 2025 को लालकुआँ से 15.00 बजे प्रस्थान कर भोजीपुरा से 16.50 बजे, पीलीभीत से 17.35 बजे, पूरनपुर से 18.20 बजे, मैलानी से 19.20 बजे, लखीमपुर से 20.10 बजे, सीतापुर से 21.00 बजे, बुढ़वल से 22.25 बजे, गोंडा से 23.45 बजे, दूसरे दिन बस्ती से 00.52 बजे, गोरखपुर से 02.40 बजे, देवरिया सदर से 03.50 बजे, बेलथरा रोड से 04.45 बजे, मऊ से 05.30 बजे, औंड़िहार से 06.30 बजे, वाराणसी सिटी से 07.25 बजे, वाराणसी जं. से 07.45 बजे, बनारस से 08.00 बजे, माधो सिंह से 08.40 बजे तथा ज्ञानपुर रोड से 08.57 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 10.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर. के 02 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे। इसमें शयनयान श्रेणी के कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे।

रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठायें जा रहे है

गोरखपुर: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठायें जा रहे है। इसी क्रम में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 11 से 25 दिसम्बर, 2025 तक गोरखपुर से देवरिया सदर एवं सीवान, गोरखपुर से बस्ती एवं गोंडा, गोरखपुर से सिसवा बाजार तथा गोरखपुर से सलेमपुर रेल खण्डों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाकर अनधिकृत यात्रियों/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ की आई.डी. की जॉच की गयी, जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ/बिना बुक सामान के कुल 1588 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 10,99,360/-(दस लाख निन्यानबे हजार तीन सौ साठ रुपए) के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर निरन्तर स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान निरन्तर जारी रहेगा। रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे।

वाराणसी जं-राजगीर-वाराणसी जं. एक्सप्रेस के टर्मिनल तथा गाड़ी संख्या में निम्नवत परिवर्तन किया गया है।

गोरखपु: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु 22467/22468 वाराणसी जं.-गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी जं. एक्सप्रेस तथा 14224/14223 वाराणसी जं-राजगीर-वाराणसी जं. एक्सप्रेस के टर्मिनल तथा गाड़ी संख्या में निम्नवत परिवर्तन किया गया है। टर्मिनल परिवर्तन के फलस्वरूप 22467 वाराणसी जं.-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस 06 मार्च, 2026 से वाराणसी जं. के स्थान पर परिवर्तित गाड़ी संख्या- 22585 के साथ बनारस-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस बनारस से 15.10 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित समय एवं स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन गांधीनगर कैपिटल 15.20 बजे पहुँचेगी तथा वापसी यात्रा में 22468 गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी जं. एक्सप्रेस परिवर्तित गाड़ी संख्या-22586 के साथ गांधीनगर कैपिटल-बनारस एक्सप्रेस 07 मार्च, 2026 से गांधीनगर कैपिटल से 23.15 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित समय एवं स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन बनारस 23.30 बजे पहुँचेगी। इसी प्रकार, टर्मिनल परिवर्तन के फलस्वरूप 14224 वाराणसी जं.-राजगीर एक्सप्रेस परिवर्तित गाड़ी संख्या-15138 के साथ बनारस-राजगीर एक्सप्रेस 08 मार्च, 2026 से बनारस से 20.15 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित समय एवं स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन राजगीर 06.00 बजे पहुँचेगी तथा वापसी यात्रा में 14223 राजगीर-वाराणसी जं. एक्सप्रेस परिवर्तित गाड़ी संख्या-15137 के साथ राजगीर-बनारस एक्सप्रेस 09 मार्च, 2026 से राजगीर से 21.35 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित समय एवं स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन बनारस 07.15 बजे पहुँचेगी।

महिला की पिटाई के आरोप में पति और ननद पर प्राथमिकी

पैकोलिया। थाना क्षेत्र के कठौतिया सांवडीह गांव की रहने वाली एक महिला को मारने-पीटने के आरोप में पुलिस ने बृहस्पतिवार को पति और ननद पर प्राथमिकी दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, कठौतिया सांवडीह गांव की रहने वाली पिंकी वर्मा ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 20 दिसंबर को उसके पति विशाल वर्मा और ननद आरती बिना किसी कारण के पिटाई कर दी। घर से भाग जाने का दबाव बनाने लगे। चार वर्षीय बेटे आयुष को गन्ना के खेत में फेंक दिया।

भाजपा राज में बाटी-चोखा नहीं, सिर्फ माटी-धोखा मिला: अखिलेश

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज में आम जनता को विकास और सम्मान नहीं, बल्कि केवल माटी-धोखा ही मिला है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति हाता नहीं भाता से बहुत आगे निकल चुकी है और उपेक्षा तिरस्कार में बदल चुकी है, जिसे कोई भी स्वाभिमानी समाज सह नहीं सकता। यादव ने एक्स पर लिखा जब किसी समाज के सामने केवल दो विकल्प सत्ता या सम्मान बचे रह जाते हैं, तब स्वाभिमानी समाज हमेशा सम्मान को ही चुनता है।

भाजपा राज में बाटी-चोखा नहीं, सिर्फ माटी-धोखा मिला: अखिलेश

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज में आम जनता को विकास और सम्मान नहीं, बल्कि केवल माटी-धोखा ही मिला है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति हाता नहीं भाता से बहुत आगे निकल चुकी है और उपेक्षा तिरस्कार में बदल चुकी है, जिसे कोई भी स्वाभिमानी समाज सह नहीं सकता। यादव ने एक्स पर लिखा जब किसी समाज के सामने केवल दो विकल्प सत्ता या सम्मान बचे रह जाते हैं, तब स्वाभिमानी समाज हमेशा सम्मान को ही चुनता है। यह सच्चाई किसी एक समाज तक सीमित नहीं, बल्कि हर वर्ग और समुदाय पर समान रूप से लागू होती है। भाजपा किसी की सगी नहीं है और आज भाजपाई कहलाना एक नकारात्मक सामाजिक पहचान बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा से जुड़े लोग अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण जैसी संवेदनशील धरोहरों से खिलवाड़ करते हैं, दोष-सिद्ध अपराधियों को संरक्षण और महिमामंडन देते हैं तथा दवाइयों के नाम पर जहरीली-नशीली चीजें बेचकर लोगों की जिंदगी खतरे में डालते हैं। उन्होंने चुनावी प्रक्रियाओं में लूट, भ्रष्टाचार, कमीशनखघेरी और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप भी लगाए। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि नफरत और भय का वातावरण बनाकर समाज को बाँटना, संविधान और कानून के बजाय भीड़ और दबाव की राजनीति करना, तथा वैज्ञानिक सोच, शिक्षा और कला से डरना,यह सब मौजूदा सत्ता की कार्यशैली को उजागर करता है। उनके अनुसार इसी वजह से अमीर-गरीब की खाई बढ़ी है, बेरोजगारी और महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है और महिला, गरीब, वंचित व शोषित वर्गों के अधिकारों पर लगातार हमला हो रहा है। उन्होंने कहा कि देशभक्त, सभ्य, मानवतावादी, ईमानदार और स्वाभिमानी समाज अब ऐसे राजनीतिक आचरण के साथ खड़ा होकर अपमान और जनाक्रोश का शिकार नहीं होना चाहता। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि जब तक सत्ता की इस प्रकार की राजनीति समाप्त नहीं होती, तब तक समाज को बराबरी का सम्मान मिलना संभव नहीं है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल से कार-स्कूटी वाले गमले चुरा ले गए, एफआईआर होगी

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल से कार और स्कूटी सवार गमले चुरा ले गए। अब इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गमलों की सुरक्षा के लिए 30 कर्मचारी तैनात कर दिए हैं। पुलिस भी तैनात है। लखनऊ विकास प्राधिकरण गमलों को हटवा भी रहा है। बावजूद इसके लोग गमला चुराकर ले जा रहे हैं। पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन लोग मान नहीं रहे हैं। बच्चे भी गमला चुराकर भाग रहे हैं। हालांकि, पुलिस अब सख्ती दिखा रही है। किसी को भी गमलों के पास रुकने नहीं दे रही है। दरअसल, गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रेरणा स्थल और उसके आसपास के इलाके को फूलों से सजाया गया। पीएम के जाने के कुछ घंटे बाद ही लोगों ने सजावट में लगे गमले चोरी कर लिए। मौके पर पुलिसवाले भी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने किसी को रोका नहीं और मुस्कुराते हुए खड़े नजर आए। एक गमले की कीमत करीब 100 रुपए बताई जा रही है। 1 महीने पहले सीएम योगी ने जी-20 के बाद चोरी हुए गमलों को लेकर लोगों को चेताया था। कहा था- लोग मर्सिडीज से गमले उठाकर ले गए थे, ऐसी हरकत न करें।

ताजा खबर...

छतरी यात्रा का समापन आज अयोध्या में

लखनऊ/अयोध्या। चेन्नई से शुरू हुई छतरी यात्रा का समापन कल शनिवार को रामनगरी अयोध्या में हो रहा है। इस यात्रा में अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल होंगे। संगठन मुख्यालय के कार्यालय प्रभारी प्रमोद त्रिवेदी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित कार्यकताओं का दल कल सुबह सात बजे बिड़ला धर्मशाला अयोध्या के लिए रवाना होगा, जहां से हनुमान गढ़ी तक छतरी यात्रा निकाली जाएगी। पिछले कई सालों से निकाली जा रही यह यात्रा इस वर्ष भी चेन्नई से शुरू होकर वाराणसी होते हुए आज शुक्रवार देर शाम अयोध्या पहुंची, जो कल अपने अन्तिम पड़ाव में बिड़ला धर्मशाला से हनुमान गढ़ी पहुंच कर समाप्त होगी। संगठन मुख्यालय प्रभारी के मुताबिक छतरी यात्रा में अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के अलावा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मौलि शुक्ल, राष्ट्रीय प्रवक्ता बाबा महादेव, कोषाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, राष्ट्रीय संयोजक पंकज तिवारी प्रमुख रूप से शामिल होंगे।

पंकज चौधरी ने की विधानसभा अध्यक्ष से भेंट, समझी कार्यप्रणाली

लखनऊ,(संवाददाता)। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी कल विधानसभा पहुंचे। उन्होंने यूपी असेम्बली के स्पीकर सतीश महाना से भेंट की। आज लखनऊ स्थित विधान भवन में विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट करने के साथ ही विधानसभा का अवलोकन किया।पंकज चौधरी ने कहा कि स्पीकर के साथ हुए विचार-विमर्श में विधान सभा की ऐतिहासिक, लोकतांत्रिक एवं कार्यप्रणाली गत विशेषताओं को नजदीक से जानने का अवसर मिला।श्री चौधरी ने कहा, उत्तर प्रदेश विधान सभा न केवल लोकतंत्र का सशक्त मंदिर है बल्कि जनआकांक्षाओं, संवाद और निर्णयों का केंद्र भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विधान सभा के माध्यम से प्रदेश के सर्वांगीण विकास और सुशासन के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। इसके साथ ही पंकज चौधरी ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित से भी मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। श्री चौधरी ने कहा सीनियर्स का मार्गदर्शन और अनुभव जीवन में कामयाबी का मार्ग प्रशस्त करता है।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत,2 माह पहले हुई थी शादी

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र की नई काशीराम कॉलोनी में गुरुवार दोपहर एक नवविवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, महिला ने फांसी लगाई थी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे की है। मृतका की पहचान नई काशीराम कॉलोनी, पारा निवासी 22 वर्षीय सामीन पत्नी समीर के रूप में हुई है। उसे अचेत अवस्था में पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ स्थित एरा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मलिहाबाद निवासी सामीन की शादी करीब दो माह पहले 5 अक्टूबर को काशीराम कॉलोनी थाना पारा निवासी समीर से हुई थी। पति समीर वेटर का काम करता है। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। सूचना मिलने पर पति मौके पर पहुंचा और पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल ले गया। मृतका के ससुर जमील और सास रहसून हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मृतका के मायके पक्ष को भी सूचित कर दिया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अभी तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल, मामला संदिग्ध बना हुआ है और पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

फॉर्च्यूनर की टक्कर से युवक की मौत, ड्राइवर फरार

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर गुरुवार शाम निगोहां के हरवंश खेड़ा नर्सरी मोड़ के पास एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने बाइक सवार मजदूर कुलदीप (25) को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि फॉर्च्यूनर डिवाइडर तोड़कर दूसरी पटरी पर चली गयी। गंभीर रूप से घायल कुलदीप को एनएचएआई की एम्बुलेंस से ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह हादसा तब हुआ जब कुलदीप निगोहां कस्बे से अपनी बाइक से टिकरा गांव स्थित घर लौट रहा था। रायबरेली से लखनऊ की ओर जा रही फॉर्च्यूनर ने मोड़ पर उसकी बाइक को चपेट में ले लिया। घटना के बाद फॉर्च्यूनर चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के कारण लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। कुलदीप के निधन की खबर मिलते ही उसके घर में कोहराम मच गया। उसके पिता रामसजीवन का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में मां माधुरी, पत्नी ज्योति और दो साल की बेटी काव्या हैं। कुलदीप पांच भाई था। उसके भाई संदीप, सुजीत, सुकेश और दुर्गेश का रो-रोकर बुरा हाल है।

एजी चर्च में क्रिसमस पर विशेष प्रार्थना सभा, चर्च ने पूरे किए 100 साल

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के एम.जी. मार्ग स्थित ए. जी. चर्च में क्रिसमस के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस वर्ष चर्च अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है, जिसे वरिष्ठ पादरी सैमी मथाई ने अत्यंत गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक सदी से यह चर्च प्रेम, सेवा और विश्वास के माध्यम से समाज की सेवा कर रहा है। पादरी सैमी मथाई ने अपने संदेश में क्रिसमस को शांति के राजकुमार प्रभु यीशु मसीह के जन्म का पर्वश बताया। उन्होंने बाइबिल के यशायाह 9:6 का हवाला देते हुए कहा कि हमारे लिए एक बालक जन्मा है... और उसका नाम शांति का राजकुमार रखा जाएगा। उन्होंने सभी के जीवन में सच्ची शांति, आनंद और आशा की प्रार्थना की। चर्च के अन्य पादरियों, महेंद्र सिंह और अमित डेविड ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रभु यीशु मसीह को शांति का राजा बताते हुए मत्ती 5:9 के बाइबिल वचन धन्य हैं वे जो मेल कराने वाले हैं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु का संदेश प्रेम, क्षमा और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। पादिरयों ने जोर दिया कि प्रभु यीशु का जन्म केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह पूरे मानव समाज के लिए उद्धार और नई शुरूआत का संदेश है। उन्होंने लूका 2:14 में स्वर्गदूतों की घोषणा पृथ्वी पर शांति और मनुष्यों में परमेश्वर की प्रसन्नता को आज भी प्रासंगिक बताया।कार्यक्रम के समापन पर, सभी पादरियों ने लोगों से अपील की कि वे इस क्रिसमस पर जरूरतमंदों की सहायता करें, दुखियों के साथ खड़े हों और अपने जीवन के माध्यम से प्रेम व शांति का संदेश फैलाएं।

ब्रजेश पाठक ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप का निमंत्रण

4 जनवरी से वाराणसी में होगी शुरूआत

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्ह चार से 11 जनवरी तक वाराणसी में आयोजित होने वाली नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद ब्रजेश पाठक ने एक्स पर पोस्ट किया प्रधानमंत्री से आत्मीय भेंट कर स्नेहिल सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा उनके बहुमूल्य समय के लिए आभार व्यक्त किया। इस मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से भी अहम माना जा रहा है। हाल ही में लखनऊ में भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक के बाद प्रदेश की राजनीति में चचाएं तेज हैं। 23 दिसंबर 2025 को कुशीनगर से भाजपा विधायक पीएन पाठक के आवास पर हुई इस बैठक में करीब 40-50 ब्राह्मण विधायक और एमएलसी शामिल हुए थे। बैठक में ब्राह्मण समाज की घटती राजनीतिक भागीदारी, जातिगत संतुलन और विभिन्न सामुदायिक मुद्दों पर मंथन किया गया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में कुल 52 ब्राह्मण विधायक हैं, जिनमें से 46 भारतीय जनता पार्टी से हैं। ऐसे में ब्रजेश पाठक की प्रधानमंत्री से यह मुलाकात खेल आयोजन के निमंत्रण के साथ-साथ सियासी दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ट्रैफिक डायवर्जन पर पुलिस ने रोका तो कपड़े उतारकर सड़क पर दौड़ी किन्नर हंगामा काटा

लखनऊ,(संवाददाता)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रप्रेरणा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम के कारण शहर में ट्रैफिक डायवर्जन रहा। इसकी वजह से लोगों को जाम से जूझना पड़ा। इस दौरान ट्रैफिक में फंसी एक किन्नर की पुलिसकर्मियों से नोकझोंक हुई। इसके बाद किन्नर ने कपड़े उतार दिए। करीब 15 मिनट तक अर्धनग्न होकर सड़क पर हंगामा काटा। पुलिसकर्मियों के समझाने के बाद वह शांत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब दोपहर 2 बजे लखनऊ पहुंचे। वह एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से प्रेरणा स्थल पहुंचे। शाम करीब 5.00 बजे उन्होंने जनता को संबोधित करना शुरू किया। इस दौरान एसपीजी और पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से ट्रैफिक रोक दिया। प्रेरणा स्थल जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया। इस दौरान हुसैनाबाद स्थित बड़ा इमामवाड़ा के पास भी ट्रैफिक को रोका गया। इससे लोग जाम में फंस गए। इसी ट्रैफिक में एक किन्नर भी फंस गई। काले कपड़े पहने किन्नर एक्टिवा स्कूटी से अपने पुरुष मित्र के साथ कहीं जा रही थी। हुसैनाबाद स्थित बड़ा इमामबाड़ा के पास पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देते हुए उसे रोक लिया। इस पर किन्नर की पुलिस से नोकझोंक हो गई। इसके बाद गुस्से में किन्नर ने सड़क पर ही एक-एक करके अपने कपड़े उतारने शुरू कर दिए। किन्नर ने अपने कपड़े उतार दिए और सड़क पर घूमने लगी, जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने उसे समझाकर शांत कराया।

क्रिसमस पर प्राणि उद्यान में उमड़ी भीड़,7000 से अधिक दर्शकों ने किया भ्रमण

लखनऊ,(संवाददाता)। क्रिसमस के अवसर पर प्राणि उद्यान में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। इस दिन 7000 से अधिक लोगों ने उद्यान का भ्रमण किया और उत्साहपूर्वक इस पर्व को मनाया।प्राणि उद्यान प्रशासन ने क्रिसमस के लिए विशेष व्यवस्थाएं की थीं। मीडिया प्रभारी अनूप चतुर्वेदी ने बताया कि दोनों प्रवेश द्वारों पर पुरुष और महिला पुलिसकर्मी तैनात थे। प्रत्येक वन्यजीव बाड़े पर सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। पीने के पानी और साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया गया।निदेशक अदिति शर्मा, उप निदेशक डॉ. उत्कर्ष शुक्ला और क्षेत्रीय वनाधिकारी दिनेश बड़ोला ने स्वयं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बच्चों और अन्य दर्शकों ने प्राणि उद्यान की बाल रेल का खूब आनंद लिया। बच्चे विभिन्न वन्यजीवों को देखकर उत्साहित हुए और बाल रेल की सैर को मनोरंजक बताया। पर्यटन विभाग के सहयोग से चिल्ड्रेन पार्क में लगाए गए नए झूलों पर भी बच्चों ने मस्ती की। इसके अतिरिक्त, दर्शकों ने बोटिंग पॉन्ड में पैडल बोटिंग का भी लुत्फ उठाया।मुख्य प्रवेश द्वार और डालीबाग प्रवेश द्वार के पास स्थित प्राणि उद्यान की पार्किंग पूरी तरह भरी हुई थी। दर्शकों ने दोनों गेटों पर पार्किंग सुविधा उपलब्ध होने पर संतोष व्यक्त किया। फूड कोर्ट में लोगों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद चखा। शेर, जेब्रा, जिराफ और हिरण के मॉडलों के साथ तस्वीरें खिंचवाने का भी दर्शकों ने आनंद लिया।प्राणि उद्यान द्वारा बुजुर्गों और विकलांगों के लिए निशुल्क व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें भ्रमण में आसानी हुई। भ्रमण के दौरान कुछ बच्चे अपने माता-पिता से बिछड़ गए थे, जिन्हें सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण कुछ ही समय में उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस लिखी कार की टक्कर से कारोबारी की मौत, कार छोड़कर ड्राइवर फरार

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में शाम सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस लिखी तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बिजनौर के परवर पश्चिम निवासी अमर सिंह के अविवाहित बेटे अनुराग सिंह के रूप में हुई है। अनुराग टेंट हाउस का कारोबार करता था। गुरुवार शाम करीब 5.30 बजे वह अपनी बाइक से घर से कुछ दूरी पर स्थित एक निजी फैक्ट्री में काम कर रहे अपने दोस्त को समोसा देने जा रहा था। घर से थोड़ी दूर सड़क पर एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनुराग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद कार चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने अनुराग के परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजन उसे आनन-फानन ट्रॉमा सेंटर ले गए, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतक अनुराग के परिवार में उसके पिता अमर सिंह, मां पूजा सिंह, एक बड़ा भाई, एक छोटा भाई और एक बहन है। इस मामले में मृतक के पिता अमर सिंह ने बिजनौर थाने में तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि राहगीरों से पता चला कि कार चालक काफी तेज रफ्तार में आ रहा था। कार में 4 लोग सवार थे। कार को मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के डेहवा निवासी जितेंद्र लोधी चला रहा था। घटना के बाद सभी कार छोड़कर सभी फरार हो गए। बाइक में टक्कर मारने के बाद कार सड़क किनारे एक दीवार में जा घुसी। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम ने बताया कि मृतक के पिता की ओर से तहरीर मिली है। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। कार को कब्जे में ले लिया गया और कार चालक की तलाश की जा रही है।

डालीगंज क्रॉसिंग पर मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और छात्राओं को किया गया जागरूक

लखनऊ(संवाददाता)।लखनऊ मे महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर थाना मदेयगंज पुलिस द्वारा डालीगंज क्रॉसिंग चौराहा के पास जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को सुरक्षा से जुड़े उपायों, पुलिस सहायता सेवाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति फेज (5) अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में थाना मदेयगंज की महिला पुलिसकर्मियों ने सार्वजनिक स्थल पर सीधे संवाद के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। महिला कांस्टेबल अर्चना पटेल और महिला हेड कांस्टेबल ज्योति ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इसमें महिला पावर लाइन , आपातकालीन सेवा, एम्बुलेंस सेवा, चाइल्डलाइन , साइबर क्राइम हेल्पलाइन सहित अन्य महत्वपूर्ण नंबर शामिल रहे। पुलिस टीम ने एंटी रोमियो अभियान, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, पिक बूथ, साइबर अपराध से बचाव, यूपी कॉप ऐप और नए कानूनों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही महिलाओं और छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय भी बताए गए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बी-सखी योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी देकर महिलाओं को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं को शिक्षा के महत्व और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम, समय पर शिकायत दर्ज कराना, कानूनी अधिकारों की जानकारी देकर सुरक्षित तैयार करना है। मिशन शक्ति के तहत लखनऊ कमिश्नरेट के सभी 54 थानों पर मिशन

अखिल भारतीय हिंदू महासभा की बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत में पनाह देने की मांग

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बांग्लादेश के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है। विधान सभा के सामने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के साथ मिलकर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने बांग्लादेश के राष्ट्रपति का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी किया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय पर होने वाली हिंसा का जमकर विरोध किया। प्रदर्शन कर रहे अंशुमान त्रिवेदी ने कहा कि भारत सरकार से हमारी मांग है कि तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करें और बांग्लादेश के प्रत्येक हिंदू को सुरक्षित महसूस करवाए।हम लोग सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रहे हैं बांग्लादेशी हिंदुओं को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। यह लड़ाई हिंदुओं के अस्तित्व को बचाने के लिए है। बांग्लादेश में खुलेआम पुरुषों की हत्या की जा रही है महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो रहा है ।यह सरासर मानवता के खिलाफ घिनौना अपराध है। भारत सरकार बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए हिंदुस्तान के दरवाजे खोल दे ताकि वह यहां आकर अपनी जान बचा सके। पदर्शनकारियों ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को बचाने के लिए जो भी कदम उठाना पड़े सरकार उठाये।

भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए होता है भगवान का अवतार

लखनऊ,(संवाददाता)। शिव श्याम मंदिर समिति की ओर से सदर कैंट हाता रामदास स्थित शिव श्याम मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव में शुक्रवार को आचार्य विष्णुशरण जी महाराज ने कहा कि भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए भगवान का अवतार होता है। कथा महोत्सव में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। महाराज जी ने भगवान के अवतार का प्रयोजन बताते हुए कहा कि प्रभु के अवतार का मुख्य प्रयोजन असुरों का संहार नहीं अपितु भक्त समुदाय को अपनी लीला माधुरी से आनंद रस प्रदान करना है भक्तों की पुकार पर प्रभु धरा में प्रकट होते हैं, भगवान के नाम का आश्रय लेने वाले जीव की रक्षा का विधान भगवान स्वयं करते है।

लखनऊ में दर्दनाक हादसा पालतू डॉग की बीमारी से टूटकर दो सगी बहनों ने की आत्महत्या

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां दो सगी बहनों ने अपने पालतू कुत्ते की गंभीर बीमारी और घर की लगातार परेशानियों से मानसिक रूप से टूटकर जान दे दी। 24 और 22 वर्ष की इन बहनों ने एक साथ फिनायल पी लिया। जिससे दोनों की मौत हो गई। दोदा खेड़ा जलालपुर निवासी कैलाश सिंह की बेटियां राधा सिंह और जिया सिंह पढ़ी-लिखी और शांत स्वभाव की थीं। दोनों बहनों ने जर्मन शेफर्ड नस्ल का एक डॉग पाल रखा था। जिससे उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव था। डॉग पिछले एक महीने से बीमार था और इलाज के बावजूद उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। इस बात को लेकर दोनों बहनें लगातार तनाव और अवसाद में रहने लगी थीं। परिवार पर पहले से ही दुखों का बोझ था। पिता लंबे समय से बीमार होकर बिस्तर पर हैं। जबकि एक भाई की मौत सालों पहले ब्रेन हेमरेज से हो चुकी थी। इन हालातों में डॉग की बीमारी ने दोनों बहनों को अंदर से पूरी तरह तोड़ दिया। छोटी बहन जिया की मानसिक स्थिति पहले से ही कमजोर थी। दोनों बहनों ने यह खौफनाक कदम उठाया। हालत बिगड़ने पर उन्होंने खुद अपनी मां को बताया कि उन्होंने फिनायल पी लिया है। परिवार और पड़ोसियों की मदद से उन्हें रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल ले जाया गया। लेकिन रास्ते में ही बड़ी बहन राधा की मौत हो गई। अस्पताल में इलाज के दौरान छोटी बहन जिया ने भी दम तोड़ दिया।

लखनऊ एयरपोर्ट से घंटों देरी से उड़ीं फ्लाइट्स, यात्रियों को हुई परेशानी

लखनऊ,(संवाददाता)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से आज आने-जाने वाली कोई भी उड़ान रद्द नहीं हुई, लेकिन खराब मौसम के कारण कई उड़ानें घंटों देरी से संचालित हुईं। उड़ानों में विलंब के चलते यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। आगमन करने वाली उड़ानों में मुंबई से रात 12.35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई5264 लगभग दो घंटे की देरी से पहुंची। दम्माम से सुबह 5रू15 बजे आने वाली फ्लाइनेस की उड़ान एक्सवाई896 करीब पांच घंटे विलंब से सुबह 10.25 बजे एयरपोर्ट पर उतरी। इसी प्रकार, मुंबई से सुबह 8.40 बजे आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 2442 लगभग एक घंटे की देरी से पहुंची, जबकि रियाद से सुबह 9.00 बजे आने वाली फ्लाइनेस की उड़ान एक्सवाई 333 सुबह 10.52 बजे लखनऊ पहुंच सकी। प्रस्थान करने वाली उड़ानों पर भी मौसम का असर देखा गया। लखनऊ से सुबह 6.05 बजे नवी मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई827 लगभग एक घंटे देरी से रवाना हुई। दम्माम जाने वाली फ्लाइनेस की उड़ान एक्सवाई897 सुबह 6.15 बजे के बजाय कई घंटे की देरी से 1140 बजे उड़ान भर सकी। गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई146 करीब ढाई घंटे देरी से सुबह 10.30 बजे रवाना हुई। इसके अतिरिक्त, मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई2441, रियाद जाने वाली फ्लाइनेस की उड़ान एक्सवाई 334 और पटना जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई6902 भी निर्धारित समय से देरी से संचालित हुईं।

संपादकीय

सरसों का संकट

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून-पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतः किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य श्रृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फसलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फसल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फसलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

अटल जी के 100 वर्ष: वो राजनेता जिन्होने राष्ट्र को आकार दिया और पर्वतीय क्षेत्रों को आवाज दी

“ अटल जी उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे जिनके लिए राजनीति जनसेवा का एक पवित्र साधन थी। उनका नेतृत्व दिखावटी नहीं थाय बल्कि प्रेरक था। उनका मानना था कि अधिकार विश्वसनीयता से आना चाहिए और शक्ति जवाबदेही पर आधारित होनी चाहिए। एक प्रतिबद्ध विचारक होते हुए भी, उन्होंने कभी भी विचारधारा को संवाद पर हावी नहीं होने दिया। उनके लिए संसदीय लोकतंत्र एक प्रक्रियात्मक दायित्व नहीं बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी थी। प्रधानमंत्री के रूप में, अटल जी ने यह सिद्ध किया कि सशक्त नेतृत्व और मानवीय शासन एक साथ चल सकते हैं। उनके कार्यकाल में भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों में दृढ़ रहते हुए वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनके नेतृत्व ने विश्व को दिखाया कि भारत बिना जल्दबाजी किए दृढ़ संकल्पित हो सकता है, और बिना आक्रामक हुए मुखर हो सकता है।

डॉ.नरेश बंसल

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी महज एक स्मृतिोत्सव नहीं है। यह राष्ट्रीय आत्मनिरीक्षण का क्षण है। जब देश अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है, भारत एक ऐसे नेतृत्व की परंपरा पर चिंतन करने के लिए रुकता है जिसने नैतिक साहस को लोकतांत्रिक संयम, दृढ़ता को सहानुभूति और दूरदर्शिता को विनम्रता के साथ जोड़ा। अटल जी उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे जिनके लिए राजनीति जनसेवा का एक पवित्र साधन थी। उनका नेतृत्व दिखावटी नहीं थाय बल्कि प्रेरक था। उनका मानना था कि अधिकार विश्वसनीयता से आना चाहिए और शक्ति जवाबदेही पर आधारित होनी चाहिए। एक प्रतिबद्ध विचारक होते हुए भी, उन्होंने कभी भी विचारधारा को संवाद पर हावी नहीं होने दिया। उनके लिए संसदीय लोकतंत्र एक प्रक्रियात्मक दायित्व नहीं बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी थी। प्रधानमंत्री के रूप में, अटल जी ने यह सिद्ध किया कि सशक्त नेतृत्व और मानवीय शासन एक साथ चल सकते हैं। उनके कार्यकाल में भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों में दृढ़ रहते हुए वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनके नेतृत्व ने विश्व को दिखाया कि भारत बिना जल्दबाजी किए दृढ़ संकल्पित हो सकता है, और बिना आक्रामक हुए मुखर हो सकता है। उनके विचार में, शक्ति का अर्थ तभी सार्थक होता है जब वह शांति और स्थिरता के लिए सहायक हो। पोखरण परमाणु परीक्षण रणनीतिक दृढ़ संकल्प का प्रतीक थे, जबकि शांति के लिए उनके प्रयासों ने उनकी कुशल राजनेता की भूमिका को दर्शाया। उनका मानना था कि भारत को सशक्त होने के साथ-साथ उत्तरदायी भी होना चाहिए। विकास के प्रति उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। अटल जी समझते थे कि राष्ट्रीय प्रगति

तभी सार्थक होती है जब वह समावेशी हो। अवसंरचना, ग्रामीण संपर्क और दूरसंचार के क्षेत्र में शुरू की गई महत्वपूर्ण पहलों का उद्देश्य केवल संपत्ति निर्माण करना नहीं था, बल्कि लोगों, बाजारों और अवसरों को आपस में जोड़ना था। सड़कों, संपर्क और प्रौद्योगिकी पर उनके जोर ने दूरस्थ क्षेत्रों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकृत करने में मदद की और भारत के विकास की नींव रखी। नीति और शासन के अलावा, अटल जी का सबसे बड़ा योगदान भारत को एक सभ्यतागत लोकतंत्र के रूप में समझना था। उनका मानना था कि भारत की शक्ति उसकी विविधता, वाद-विवाद करने की क्षमता और एकता खोए बिना मतभेदों को आत्मसात करने की क्षमता में निहित है। उनका राष्ट्रवाद आत्मविश्वास से भरा था, लेकिन कभी भी बहिष्कारवादी नहीं थाय दृढ़ होते हुए भी सहानुभूतिपूर्ण था। उत्तराखंड में हमारे लिए अटल जी की विरासत बेहद व्यक्तिगत और परिवर्तनकारी है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तराखंड (तब उत्तरांचल) का शांतिपूर्ण गठन लोगों की लंबे समय से पोषित आकांक्षा की पूर्ति थी। यह महज प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं थाय यह राजनीतिक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय दूरदर्शिता का कार्य था। अटल जी समझते थे कि भूगोल शासन को आकार देता है, और जनमानस की आकांक्षाओं के लिए एक विशिष्ट प्रशासनिक दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। लेकिन उनकी प्रतिबद्धता राज्य बनने के साथ ही समाप्त नहीं हुई। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नवगठित राज्य को विशेष दर्जा और आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक समर्पित औद्योगिक पैकेज मिले। उत्तराखंड के आध्यात्मिक और पारिस्थितिक महत्व को पहचानते हुए, उनकी सरकार ने उत्तरकाशी जैसे क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की। ये निर्णय विकास के प्रति उनकी समग्र समझ को दर्शाते हैं - एक ऐसी समझ जो पारिस्थितिकी, संस्कृति और आजीविका का सम्मान करती है। उत्तराखंड के साथ अटल जी का रिश्ता नीतिगत संबंधों से कहीं बढ़कर था। उन्हें यहाँ के पहाड़ों, नदियों और आध्यात्मिक ऊर्जा से गहरा लगाव था। 1984 में चुनाव में हार के बाद उन्होंने हरिद्वार और गंगोत्री की पहाड़ियों में शरण ली और वहाँ की शांति से शक्ति प्राप्त की। बहुत कम नेता किसी क्षेत्र की आत्मा से इतनी गहराई से जुड़ पाते हैं। इसलिए यह उचित ही है कि उत्तराखंड के लोग उन्हें न केवल प्रधानमंत्री के रूप में, बल्कि अपने ही एक सदस्य के रूप में याद रखें। आज जब हम कहते हैं, अटल जी ने बनाया, मोदी जी संवरेंगे,ष तो यह तुलना का नारा नहीं, बल्कि निरंतरता का नारा है। अटल जी द्वारा रखी गई कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय एकता की नींव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत और विस्तारित किया जा रहा है। दूरदृष्टि की यह निरंतरता समावेशी और महत्वाकांक्षी विकास के प्रति भारतीय जनता पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। जन्म शताब्दी वर्ष, विशेष रूप से युवा भारतीयों के लिए, राजनीति को एक महान कर्तव्य के रूप में पुनः स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अटल जी का जीवन यह सिखाता है कि नेतृत्व संख्या के बारे में नहीं, बल्कि दूरदर्शिता के बारे में हैय टकराव के बारे में नहीं, बल्कि आम सहमति के बारे में हैय स्थायित्व के बारे में नहीं, बल्कि उद्देश्य के बारे में है। सार्वजनिक जीवन में रहने वालों के लिए, उनकी यात्रा इस बात की याद दिलाती है कि सत्ता को हमेशा जवाबदेही के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। नागरिकों के लिए, यह लोकतंत्र में एक साझा जिम्मेदारी के रूप में विश्वास की पुष्टि करता है। राष्ट्र के लिए, यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि प्रगति और मूल्य प्रतिस्पर्धी विचार नहीं हैं, बल्कि पूरक हैं। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक बार लिखा था कि अंधेरे से डरना नहीं चाहिए क्योंकि यह केवल अपने भीतर ही जीवित रहता है। जैसे-जैसे भारत आत्मविश्वास और आकांक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है, उनके शब्द और कार्य आगे के मार्ग को रोशन करते रहते हैं। 100 वर्ष की आयु में अटल जी को याद करना केवल अतीत की यादों में खो जाना नहीं है। यह भारत के एक ऐसे विचार को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता है जो मजबूत होते हुए भी करुणामय हो, आधुनिक होते हुए भी जड़ों से जुड़ा हो, और महत्वाकांक्षी होते हुए भी नैतिक हो। वह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था, और यह आने वाले वर्षों में भी भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा। दीप जले, अंधेरा छटे, सत्य पथ पर देश बढ़े, अटल विचार, अटल संकल्प, युग-युग भारत का पथ गढ़े।

किसी पाने वाले को देने वाला बनाते हैं तो खुशी दोगुनी हो जाती है

“ जब आप पहली बार अपने बच्चे को कोई ट्रीट देते हैं और इसे ग्रैंड पैरेंट्स, पड़ोसी या फिर किसी बेघर जानवर के साथ शेयर करने को कहते हैं तो कुछ बदल-सा जाता है। बच्चे की खुशी महज उस चीज को लेकर नहीं होती, बल्कि अचानक से आई क्षमता की समझ को लेकर होती है। उनके नन्हे दिमाग में सशक्त होने का ख्याल दौड़ता है कि मैं बड़ा हो गया हूं। अब मैं सिर्फ लेने वाला नहीं बचा। दे भी सकता हूं। यह छोटा-सा कदम ऐसी सकारात्मक भावनाएं जगाता है, जो लोगों के बीच दूरी को पाट देता है और आनंद के एकाकी अनुभव को सामूहिक जुड़ाव में बदल देता है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बुधवार को एक स्कूल के एनुअल फंक्शन में मैंने ऐसे गहरे आनंद का अनुभव किया। फेस्टिवल्स ऑफ इंडिया नाम के थीम सॉन्ग पर जैसे-जैसे संगीत आगे बढ़ा, दर्शकों ने देखा कि कैसे भारत में मकर संक्रांति से उत्सव शुरू होते हैं और लगभग हर महीने एक-दो त्योहार आते हैं। ही संगीत अपने क्लाइमैक्स की ओर बढ़ा, स्टेज पर सांता क्लॉज आए। लेकिन ऐसे सांता मैंने पहले कभी नहीं देखे थे। वे व्हीलचेयर पर आए। शुरूआत में, मेरी तरह पीछे बैठे सैकड़ों लोगों ने भी सोचा कि यह कोई क्रिएटिव थिएट्रिकल प्रयोग होगा। कद में छोटे-से सांता की दाढ़ी चिर-परिचित थी, लेकिन जज्बा बहुत बड़ा था। पहली कतार में बैठे हुए मैंने देखा कि उनका कमर से ऊपर का शरीर डांस कर रहा था। पैर स्थिर थे, लेकिन हाथ बेहद शालीनता से हिल रहे थे। अपना बैग खाली होने तक वे मिठाइयां और गिफ्ट बांटते रहे। उस देने वाले के चेहरे पर पूर्ण आजादी का भाव था। कुछ दे सकने के भाव में जैसे वो अपने पैरालिसिस को भूल ही गया हो। ”

एन. रघुरामन

जीवन की खुशी अकसर तब दोगुनी हो जाती है, जब कोई पाने वाला देने वाला बन जाता है। इसका सबसे पहला अनुभव हम पैरेंटहुड में देखते हैं। जब आप पहली बार अपने बच्चे को कोई ट्रीट देते हैं और इसे ग्रैंड पैरेंट्स, पड़ोसी या फिर किसी बेघर जानवर के साथ शेयर करने को कहते हैं तो कुछ बदल-सा जाता है। बच्चे की खुशी महज उस चीज को लेकर नहीं होती, बल्कि अचानक से आई क्षमता की समझ को लेकर होती है। उनके नन्हे दिमाग में सशक्त होने का ख्याल दौड़ता है कि मैं बड़ा हो गया हूं। अब मैं सिर्फ लेने वाला नहीं बचा। दे भी सकता हूं। यह छोटा-सा कदम ऐसी सकारात्मक भावनाएं जगाता है, जो लोगों के बीच दूरी को पाट देता है और आनंद के एकाकी अनुभव को सामूहिक जुड़ाव में बदल देता है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बुधवार को एक स्कूल के एनुअल फंक्शन में मैंने ऐसे गहरे आनंद का अनुभव किया। फेस्टिवल्स ऑफ इंडिया नाम के थीम सॉन्ग पर जैसे-जैसे संगीत आगे बढ़ा, दर्शकों ने देखा कि कैसे भारत में मकर संक्रांति से उत्सव शुरू होते हैं और लगभग हर महीने एक-दो त्योहार आते हैं। ही संगीत अपने क्लाइमैक्स की ओर बढ़ा, स्टेज पर सांता क्लॉज आए। लेकिन ऐसे सांता मैंने पहले कभी नहीं देखे थे। वे व्हीलचेयर पर आए।

शुरूआत में, मेरी तरह पीछे बैठे सैकड़ों लोगों ने भी सोचा कि यह कोई क्रिएटिव थिएट्रिकल प्रयोग होगा। कद में छोटे-से सांता की दाढ़ी चिर-परिचित थी, लेकिन जज्बा बहुत बड़ा था। पहली कतार में बैठे हुए मैंने देखा कि उनका कमर से ऊपर का शरीर डांस कर रहा था। पैर स्थिर थे, लेकिन हाथ बेहद शालीनता से हिल रहे थे। अपना बैग खाली होने तक वे मिठाइयां और गिफ्ट बांटते रहे। उस देने वाले के चेहरे पर पूर्ण आजादी का भाव था। कुछ दे सकने के भाव में जैसे वो अपने पैरालिसिस को भूल ही गया हो। यह सांता इंदौर के एनी बीसेंट स्कूल में चौथी कक्षा की 9 वर्षीय छात्रा तनिष्का सोनी थीं। पहली कक्षा में स्पाइनल नर्व इंजरी के चलते पैरालाइज्ड हुई तनिष्का को कक्षा के भीतर और बाहर कोई भी काम करने के लिए सहपाठियों और माता-पिता की मदद लेनी पड़ती है। शारीरिक जरूरत के चलते वे सालों से एक रिसीवर बनी रहीं। अब स्कूल के कोरियोग्राफर्स ने बीते तीन वर्षों से हर एनुअल फंक्शन में उनके लिए एक किरदार शामिल कर लिया, ताकि वे जीवन की खूबसूरत रिदम में सक्रिय बनी रहें। खुद तनिष्का भी स्कूल की हर एक्टिविटी में शामिल होने की मांग करती रही थीं। जैसे ही तनिष्का ने वो गिफ्ट बांटे, एक बदलाव पूर्ण हो गया। आमतौर पर जिस बच्ची की व्हीलचेयर को दूसरे लोग खिसकाते हैं, वो आज सारे ऑडियंस को अपनी खुशी के संसार में खींच रही थी। दाढ़ी की वजह से आंखों और गालों तक ही दिख पा रहा उसका चेहरा चमक रहा था। यह ऐसी सच्चाई बता रहा था, जिसे हम अकसर नजरअंदाज करते हैं कि असली समृद्धि शारीरिक क्षमता और भौतिक संपत्ति में नहीं, बल्कि यह तो वो अवस्था है- जिसमें भावनात्मक स्थिरता और योगदान देने की इच्छाशक्ति है। देने वाले की भूमिका में आकर तनिष्का ने साबित किया कि जब शरीर बंधा हो तो भावना से दूसरों को कुछ दिया जा सकता है। तनिष्का ने याद दिलाया कि हम जो संसाधन दे सकते हैं, वो हमारे बैग में नहीं होते। बल्कि ये वो क्षमता और रोशनी है, जो हम अपने दिल से बांट सकते हैं। तनिष्का सोनी की कहानी इंसानी जज्बे की एक मजबूत गवाही है। दूसरों की मदद के लिए हम अकसर परफेक्ट कंडीशंस का इंतजार करते रहते हैं- थोड़ा और पैसा हो जाए, सेहत और बेहतर हो जाए या थोड़ा वक्त और मिल जाए। लेकिन तनिष्का हमें सिखाती है कि आप जहां हो, वहीं से ही और अपनी शेष ताकत से ही दे सकते हैं।

लक्ष्य ऐसा बनाओ कि गूगल पर आपका नाम प्रकट होने लगे

“ स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ”

एन. रघुरामन

कल तक इस गांव की पहचान 225206 थी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सआदतगंज पोस्टल हेड ऑफिस के तहत यह पिन कोड अगेहरा गांव के लिए इस्तेमाल होता था। और 24 दिसंबर को गांव आए एक पोस्टमैन ने अपने साथियों से कहा कि आज मैं इसे डिलीवर करने पूजा के गांव जा रहा हूं। सोच रहे हैं कि एक नंबर को यह नाम कैसे मिला? 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 1100 की आबादी वाले इस गांव को 17 साल की पूजा पाल ने गूगल पर पहचान दिला दी। यह गांव पहले खेती और संबंधित ग्रामीण गतिविधियों से जुड़ा था। तो पूजा ने ऐसा क्या किया? पूजा भी दूसरे बच्चों की तरह स्कूल जाती थी। कई सालों तक वह भी अपने स्कूल में गेहूं कटाई के मौसम में उड़ने वाली धूल की शिकार बनी। स्कूलों और घरों के आसपास चलने वाले थ्रेशरों के कारण समूचे इलाके में यह लोगों के लिए, खासकर श्वास रोगों से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुकी थी। उसके स्कूल के समीप के थ्रेशर से रोजाना धूल कक्षा तक पहुंचती थी। बच्चों का पढ़ना, लिखना और यहां तक कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता था। दूसरों की तरह कक्षा-दर-कक्षा पास होती गई पूजा सातवीं में पहुंच गई, जहां बच्चे विज्ञान जैसे विषयों से परिचित होते हैं। उन्हें बताया जाता है कि विज्ञान और तकनीक से आप कई समस्याएं हल कर सकते हो। उसकी समस्या यह थी कि वह स्कूल में पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पा रही थी। उसे यह भी बताया गया कि गेहूं कटाई और थ्रेशिंग रोके नहीं जा सकते, क्योंकि इसी से गांव की रोजी-रोटी चलती है। कुछ दिन बाद उसने मां को घर पर आटा छानते देखा तो उसे आइडिया आया कि अगर रसोई में किसी जाली से महीन कणों को छाना जा सकता है तो वैसी ही प्रक्रिया थ्रेसिंग के दौरान उड़ने वाली धूल को भी रोक सकती है।

अपने विज्ञान शिक्षक राजीव श्रीवास्तव के साथ उसने एक ऐसे समाधान पर काम शुरू किया, जो व्यावहारिक व किफायती हो और व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सके। पूजा से अपना कॉन्सेप्ट चार्ट पेपर पर स्केच करने

को कहा गया। कागज और लकड़ी से बने शुरुआती प्रोटोटाइप ठोस नतीजा नहीं दे पाए। लेकिन वह अपनी डिजाइन को सुधारने में जुटी रही। आखिरकार टिन शीट और वेल्डिंग मशीन की मदद से एक कारगर मॉडल बन कर तैयार हो गया। इस नवाचार को भूसा-धूल पृथक्करण यंत्र नाम दिया गया। इसने अनाज अलग करने के दौरान उड़ने वाले ऐसे धूल और सूक्ष्म कणों को प्रभावी तरीके से कम कर दिया, जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं और श्वास संबंधी बीमारियां बढ़ाते हैं। इसने किसानों और ग्रामीणों का बचाव किया। मॉडल ने गांव के बाहर के लोगों का ध्यान खींचा और पूरे जिले में इसकी चर्चा फैलने लगी। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मूल्यांकन और मंजूरी के बाद इंस्पायर अवार्ड के तहत इस मॉडल का चयन किया और पूजा को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट का मौका मिला। 2025 में उसे जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी की महत्वपूर्ण पहल साकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम के लिए चुना गया। वह देशभर से चुने गए 54 भारतीय छात्रों में उत्तर प्रदेश की इकलौती छात्रा थी। इस कार्यक्रम में विज्ञान के गहन सत्र और टोक्यो का स्टडी टूर शामिल था। इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने उसे बाल वैज्ञानिक के रूप में एक लाख रुपए का पुरस्कार प्रदान किया। आज यानी 26 दिसंबर 2025 को घास-फूस के झोंपड़े में पली-बढ़ी 17 साल की पूजा अपने महत्वपूर्ण नवाचार के लिए प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार ग्रहण करने जा रही है। पूजा उन 20 बच्चों में शामिल है, जिन्हें देशभर से इस सम्मान के लिए चुना गया है। गुरुवार को जब हम लंच कर रहे होंगे तो पूजा यह पुरस्कार ग्रहण कर रही होगी। योग्यता और जरूरत को देखते हुए जिला प्रशासन ने उसके परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्थायी मकान भी मंजूर किया है।

कियारा-सिद्धार्थ ने दी बेटी के पहले क्रिसमस सेलिब्रेशन की झलक

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने क्रिसमस 2025 पर अपनी बेटी सरायाह मल्होत्रा की एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। बेटी को बुलाया 'लिटिल मिस क्लॉस'। बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने खास क्रिसमस के मौके पर अपनी बेटी सरायाह मल्होत्रा की खास झलक शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। इस पोस्ट को देखने के बाद सिद्धार्थ और कियारा के फैंस बेहद खुश हो गए हैं। दिखाई सरायाह की झलक कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के लिए 2025 का क्रिसमस बहुत खास रहा। जुलाई में उनकी बेटी सरायाह के जन्म के बाद यह उनका पहला क्रिसमस था। नए मम्मी-पापा ने अपनी पांच महीने की बेटी के साथ खूब मस्ती की और कुछ प्यारी तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कीं। उन्होंने अपनी 'छोटी मिस क्लॉस' सरायाह की एक प्यारी फोटो पोस्ट की, जिसमें बच्ची का चेहरा छिपा हुआ है। सरायाह लाल मखमली ड्रेस में हैं।

किआरा-सिद्धार्थ ने दी बेटी के पहले क्रिसमस सेलिब्रेशन की झलक

क्यूट तस्वीर साझा कर लिखा- 'लिटिल मिस क्लॉस'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने क्रिसमस 2025 पर अपनी बेटी सरायाह मल्होत्रा की एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। बेटी को बुलाया 'लिटिल मिस क्लॉस'। बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने खास क्रिसमस के मौके पर अपनी बेटी सरायाह मल्होत्रा की खास झलक शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। इस पोस्ट को देखने के बाद सिद्धार्थ और कियारा के फैंस बेहद खुश हो गए हैं। दिखाई सरायाह की झलक कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के लिए 2025 का क्रिसमस बहुत खास रहा। जुलाई में उनकी बेटी सरायाह के जन्म के बाद यह उनका पहला क्रिसमस था। नए मम्मी-पापा ने अपनी पांच महीने की बेटी के साथ खूब मस्ती की और कुछ प्यारी तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कीं। उन्होंने अपनी 'छोटी मिस क्लॉस' सरायाह की एक प्यारी फोटो पोस्ट की, जिसमें बच्ची का चेहरा छिपा हुआ है। सरायाह लाल मखमली ड्रेस में हैं, जिस पर 'मेरा पहला क्रिसमस' लिखा है। कैप्शन में लिखा, 'मेरी छोटी मिस क्लॉस की ओर से क्रिसमस की शुभकामनाएं।' इसके अलावा, उन्होंने अपना खूबसूरत क्रिसमस ट्री दिखाया, जिस पर 'सिड', 'कियारा' और 'सरायाह' के नाम वाले बलून लगे हैं। सरायाह का जन्म कियारा और सिद्धार्थ ने 15 जुलाई 2025 को बेटी का स्वागत किया। नवंबर में उन्होंने सोशल मीडिया पर बेटी का नाम सरायाह मल्होत्रा बताया और उसकी पहली झलक शेयर की। चेहरा नहीं दिखाया, लेकिन नन्हे पैरों की तस्वीर शेयर की थी। कियारा और सिद्धार्थ की कहानी कथित तौर पर कियारा और सिद्धार्थ की मुलाकात 2018 में एक पार्टी के दौरान हुई थी, लेकिन फिल्म 'शेरशाह' (2021) की शूटिंग के दौरान वे करीब आए। उनकी केमिस्ट्री से अफवाहें उड़ीं, लेकिन रिश्ता छिपाया। 2023 में सिद्धार्थ के बर्थ डे पर कियारा ने पोस्ट कर रिश्ता कन्फर्म किया। फिर 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में प्राइवेट वेडिंग की।

राघव जुयाल का बड़ा खुलासा : द पैराडाइज का 30 सेकंड का टीजर जल्द होगा आउट

द पैराडाइज 2026 की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक है, जिसमें नेचुरल स्टार नानी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं, जिन्होंने दसरा जैसी बड़ी हिट दी थी। इस तरह से दसरा की जबरदस्त सफलता के बाद नानी और श्रीकांत ओडेला एक बार फिर इस बड़े प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं। इस बीच बढ़ती उत्सुकता के बीच, नानी के साथ फिल्म में नजर आ रहे राघव जुयाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बड़ा खुलासा किया। राघव ने बताया कि वह इस पैन-इंडिया फिल्म का हिस्सा हैं और जल्द ही इसका 30 सेकंड का टीजर रिलीज होने वाला है, जिसमें मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर का म्यूजिक होगा। इस जानकारी के सामने आते ही फिल्म से जुड़ी उत्सुकता और बढ़ गई है और दर्शक अब इस सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म की एक और दमदार झलक देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। द पैराडाइज को श्रीकांत ओडेला की मजबूत कहानी कहने की समझ और अलग सोच की वजह से एक और शानदार फिल्म माना जा रहा है। ओडेला जब भी किसी फिल्म से जुड़ते हैं, वह अपने आप लोगों के बीच चर्चा में आ जाती है। उन्होंने दसरा से डायरेक्टोरियल डेब्यू की थी, जिसे हर तरफ से खूब तारीफ मिली और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करते हुए नानी की अब तक की सबसे बड़ी हिट बन गई। डायरेक्शन में आने के बाद बहुत कम समय में ही ओडेला ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली है और वह उन चुनिंदा लोगों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने छोटे से करियर में बड़ा नाम कमा लिया है। उत्साह को और बढ़ाते हुए, फिल्म का ओरिजिनल म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जिसमें अनिरुद्ध और अर्जुन चांडी की आवाजें शामिल हैं। यह साउंडट्रैक शुरू से ही दर्शकों को कहानी की दुनिया में ले जाता है और हर पल के असर को और बढ़ा देता है। म्यूजिक फिल्म के माहौल को मजबूती देता है और पूरे सिनेमाई अनुभव को और खास बना देता है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बन रही द पैराडाइस 26 मार्च 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म की ग्लोबल सोच को दिखाते हुए, खबर है कि मेकर्स ने हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से अंतरराष्ट्रीय मार्केट में द पैराडाइस को प्रेजेंट करने के लिए बातचीत की है। दमदार निर्देशक, मजबूत स्टारकास्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्लानिंग के साथ द पैराडाइस सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सांस्कृतिक अनुभव की ओर बढ़ता कदम नजर आ रहा है।

ओ रोमियो की शूटिंग फाइनल फेज में, जानें कब रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर एक बार फिर अपने पसंदीदा निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों की अपकमिंग फिल्म ओ रोमियो पहले से ही सुर्खियों में है, वहीं अब तमन्ना भाटिया और दिशा पाटनी के फिल्म से जुड़ने की खबर ने दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। फिल्म इस समय शूटिंग स्टेज में है और खास बात यह है कि नए साल के जश्न के बावजूद शाहिद कपूर ने ब्रेक न लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का आखिरी शूटिंग फेज 28 दिसंबर से शुरू होगा। मेकर्स मुंबई में करीब 10 दिनों की पैच शूटिंग की योजना बना रहे हैं, जो नए साल तक चलेगी। सूत्रों के अनुसार, इस शेड्यूल में फिल्म के कुछ बेहद अहम और हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे। इसके अलावा कुछ डायलॉग आधारित सीन भी शूट किए जाने हैं। पूरी शूटिंग को टुकड़ों में पूरा किया जा रहा है ताकि फिल्म समय पर तैयार हो सके। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि नए साल के बाद जनवरी 2026 में फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू होगी, जिसमें लगभग 8 दिनों का शेड्यूल तय किया गया है। फिल्म ओ रोमियो को 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही इस हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर में शाहिद कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी, रणदीप हुड्डा और नाना पाटेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शाहिद कपूर की पिछली रिलीज देवा बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। ऐसे में अभिनेता एक मजबूत वापसी के इरादे से विशाल भारद्वाज के साथ हाथ मिला चुके हैं। ओ रोमियो को लेकर इंडस्ट्री और फैंस दोनों के बीच जबरदस्त चर्चा बनी हुई है।

मिजार्पुर से रक्तांचल तक: लोकप्रिय वेब शोज जो सीजन 3 या उससे आगे तक पहुंचे

ओटीटी की तेज रफ्तार दुनिया में टिके रहना अपने आप में एक चुनौती है। दर्शकों की बदलती पसंद, बढ़ती लागत और व्यूअरशिप के दबाव के कारण कई वेब शोज दूसरे सीजन तक भी नहीं पहुंच पाते। ऐसे में किसी शो का तीसरे सीजन या उससे आगे तक जाना उसकी लगातार लोकप्रियता, मजबूत कहानी और वफादार फैनबेस का साफ संकेत होता है। नीचे दिए गए वेब शोज ने न सिर्फ अपने पहले सीजन में दर्शकों का दिल जीता, बल्कि सांस्कृतिक चर्चा का हिस्सा भी बने जिसके चलते क्रिएटर्स और प्लेटफॉर्म्स ने इन्हें बार-बार आगे बढ़ाया।

पंचायत

ग्रामीण भारत में सेट एक सादगी भरी, रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित कॉमेडी के रूप में शुरू हुआ पंचायत आज भारत की सबसे पसंदीदा वेब फ्रेंचाइज में से एक बन चुका है। अपने सहज किरदारों, हल्के-फुल्के हास्य और भावनात्मक गहराई के साथ इस शो ने साबित किया कि दिल जीतने के लिए भव्य ड्रामा जरूरी नहीं। लगातार मजबूत कहानी और शानदार वर्ड-ऑफ-माउथ ने इसे कई सीजन तक पहुंचाया, और हर सीजन के साथ फुलेरा और दर्शकों का रिश्ता और गहरा होता गया।

मिजार्पुर

मास अपील और कल्ट स्टेटस के मामले में मिजार्पुर का मुकाबला कम ही शोज कर पाते हैं। सत्ता की जंग, यादगार किरदार और धमाकेदार डायलॉग्स से भरपूर यह क्राइम ड्रामा देखते ही देखते पॉप कल्चर फेनोमेनन बन गया। इसका तीसरे सीजन तक पहुंचना इस बात का सबूत है कि इसकी दमदार कहानी और फैंस की उत्सुकता आज भी इस फ्रेंचाइज को जिंदा और चर्चा में बनाए हुए है।

द फैमिली मैन

जासूसी और घरेलू जिंदगी के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता, लेकिन द फैमिली मैन ने यह फॉर्मूला बखूबी साध लिया। एक्शन, व्यंग्य और भावनात्मक कहानी का यह अनोखा मिश्रण दर्शकों को खूब भाया, जिससे यह भारत की सबसे सराही गई वेब सीरीज में शामिल हो

गई। हर सीजन के साथ बढ़ते दांव और मजबूत लेखन इसकी लगातार लोकप्रियता को दशार्ते हैं।

रक्तांचल

1980 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि में बनी रक्तांचल ने सत्ता, राजनीति और अपराध की कच्ची सच्ची तस्वीर पेश कर अपनी अलग पहचान बनाई। जमीनी कहानी और दमदार परफॉर्मेंस के दम पर इस शो ने एक वफादार दर्शक वर्ग तैयार किया, जिसने मेकर्स को इसे दो सीजन से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विजय सिंह के किरदार में क्रांति प्रकाश झा के साथ इसका तीसरा सीजन इस समय निमार्णाधीन है और दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

दिल्ली क्राइम

सच्ची घटनाओं से प्रेरित दिल्ली क्राइम अपनी यथार्थवादी प्रस्तुति और कानून व्यवस्था से जुड़ी कहानियों के संवेदनशील ट्रीटमेंट के लिए अलग पहचान रखती है। आलोचकों की सराहना, अंतरराष्ट्रीय पहचान और शक्तिशाली अभिनय ने सुनिश्चित किया कि यह सीरीज एक सीजन पर ही न रुके। हर नया अध्याय इसकी प्रासंगिकता और प्रभाव को और मजबूत करता गया। दिल से जुड़ी कॉमेडी से लेकर हाई-स्टेक्स क्राइम ड्रामा तक, ये शोज साबित करते हैं कि जब कंटेंट सच में दर्शकों से जुड़ता है, तो वे बार-बार लौटते हैं और प्लेटफॉर्म्स भी इस सफर को आगे बढ़ाने में खुशी-खुशी हामी भरते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर छाई फिल्म धुरंधर, दुनियाभर में किया 1,000 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा

फिल्म निमार्ता आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म निमार्ताओं ने यह जानकारी साझा की। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर माधवन और राकेश बेदी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने अपने बैनर बी62 स्टूडियोज और जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ

मिलकर किया है। फिल्म निमार्ताओं ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े साझा करते हुए लिखा, पूरे गर्व के साथ 1,000 करोड़ के क्लब में प्रवेश। अपनी टिकटें बुक करें। दुनिया भर में धुरंधर का जादू बरकरार है। फिल्म ने विश्व स्तर पर अब तक कुल 1,006.7 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसने 789.8 करोड़ रुपये बटोरे हैं। यह फिल्म अपराधियों, मुखबिरों और जासूसों के एक नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी इन किरदारों के एक-दूसरे से जुड़ते जीवन, गुप्त अभियानों, जासूसी और विश्वासघात के ताने-बाने को दशार्ती है। यह फिल्म पांच दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म निमार्ताओं ने इसके दूसरे भाग की भी पुष्टि कर दी है जो 19 मार्च 2026 को रिलीज होगा।

'सारे रिजेक्ट किए हुए किरदार मेरे ही पास आते हैं', संवाद के मंच पर अरशद ने सुनाए किस्से

अभिनेता अरशद वारसी बीते दिनों हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित अमर उजाला संवाद कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने अपने करियर और फिल्मों को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित अमर उजाला संवाद में खेल, राजनीति, धर्म और मनोरंजन से जुड़ी कई दिग्गज हस्तियां पहुंचीं। यहां अरशद वारसी ने भी शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म से लेकर चर्चित किरदारों का जिक्र किया। जानिए 'सर्किट का किरदार एकदम घटिया था' अभिनेता अरशद वारसी को फैंस 'सर्किट' के नाम से जानते हैं। उन्होंने यह रोल फिल्म 'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' में अदा किया। मगर, संवाद में अरशद वारसी ने खुलासा किया कि यह किरदार उन्हें तब मिला, जब सभी ने इसे रिजेक्ट कर दिया। इस रोल में दम नहीं था। संवाद में जब अरशद से पूछा गया कि सर्किट का किरदार आपके लिए एक बड़ा मौका था? इस पर उन्होंने कहा, 'वह एक बड़ा मौका था। यह रोल पहले निहायत घटिया था। इसे पहले हर एक्टर ने रिजेक्ट किया था। मेरी किस्मत थी कि मुझे राजकुमार हिरानी जैसा डायरेक्टर मिला। मैंने उनसे कहा कि इस रोल में कुछ है तो नहीं, ऐसा नहीं है कि मेरा इससे कुछ हो जाएगा। मैं टीवी करूंगा या क्या पता नहीं। लेकिन, इस रोल को मैं एंजॉय करूंगा। वो तैयार हो गए। मुझे फ्रीडम मिल गई। फिर जो किरदार हुआ, सबको पता है। 'सबके रिजेक्ट किए हुए रोल मिलते हैं' अरशद वारसी ने आगे कहा, 'सर्किट के रोल में कोई खासियत नहीं थी। हीरो के पीछे खड़े रहकर सिर्फ दो लाइन बोलनी थी। जो कुछ भी उसमें खास है वो सब मैंने इम्प्रोवाइज किया है। संवाद के मंच पर अरशद वारसी ने एक और दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा कि उनके कई ऐसे चर्चित किरदार हैं, जो तब आए, जब अन्य सितारों ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया। उन्होंने फिल्म 'जॉली एलएलबी' का उदाहरण दिया। अरशद ने कहा, 'मेरे पास वही किरदार आते हैं, जो सभी रिजेक्ट कर चुके होते हैं। 'जॉली एलएलबी' भी सभी ने रिजेक्ट कर दी थी, तब मेरे पास आई थी'। अपना कौन सा किरदार है अरशद का फेवरेट? अरशद से जब पूछा गया कि आप कौन सा किरदार बार-बार निभाना चाहेंगे?

पत्नी आकांक्षा के बचाव में आए गौरव खन्ना, वायरल डांस वीडियो पर दी सफाई; बोले- ट्रोलिंग से फर्क नहीं पड़ता

गौरव खन्ना उस वक्त चचाओं में आ गए जब उनकी पत्नी आकांक्षा का एक डांस वीडियो सामने आया था। आकांक्षा को इस पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब गौरव ने पत्नी का बचाव करते हुए इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए बिग बॉस 19 के विजेता ने क्या कुछ कहा बिग बॉस 19 का समापन हुए 20 दिनों का वक्त बीत चुका है, लेकिन शो के विजेता गौरव खन्ना लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। बेशक इसके कारण अलग-अलग हैं। बीते दिनों गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला को एक पार्टी में डांस करने पर ट्रोल किया गया था। अब गौरव अपनी पत्नी के समर्थन में आए हैं और उन्होंने पत्नी का बचाव करते हुए इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। गौरव ने बताई पूरी स्थिति बीते दिनों गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस वीडियो में आकांक्षा एक पार्टी में कुछ लोगों के साथ डांस कर रही थीं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर नेटिजेंस उन्हें ट्रोल करने लगे। कई लोगों ने उनके डांस मूव्स पर सवाल उठाए तो कुछ ने उनके वहां होने और उनके व्यवहार पर भी कमेंट किए। अब इन सब ट्रोलिंग पर गौरव खन्ना की प्रतिक्रिया सामने आई है और उन्होंने अपनी पत्नी का बचाव किया है। हंगामा स्टूडियो के साथ बातचीत के दौरान गौरव ने कहा कि सबसे पहले मैं सभी को बताना चाहता हूं कि आकांक्षा जिन लड़कियों के साथ डांस कर रही थीं, वे मेरी पब्लिसिस्ट टीम की सदस्य थीं।

क्या म्यांमार में हो रहे आम चुनाव दिखावा हैं आगामी रविवार को मतदान

बैंकॉक। म्यांमार की 80 वर्षीय पूर्व नेता और उनकी पार्टी चुनाव में भाग नहीं ले रही हैं। सू की वर्तमान में उन आरोपों में 27 साल की जेल की सजा काट रही हैं जिन्हें व्यापक रूप से फर्जी और राजनीतिक रूप से प्रेरित माना जाता है। म्यांमार में पांच वर्षों बाद पहली बार रविवार को आम चुनाव का पहला चरण शुरू होगा। आलोचकों का कहना है कि यह प्रक्रिया न तो 2021 में सेना की ओर से सत्ता पर कब्जा करने से देश की नाजुक लोकतंत्र व्यवस्था को बहाल करेगी और न ही देश के कठोर सैन्य शासन की वजह से शुरू हुए विनाशकारी गृहयुद्ध को खत्म करेगी। म्यांमार की सेना ने चुनावों को बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी के रूप में पेश किया है। हालांकि, इसे सैन्य शासन को वैधता दिलाने के लिए एक दिखावा देने की कोशिश कहा जा रहा है। जो चार साल पहले सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को सत्ता से हटाने के बाद शुरू हुआ था। तीन चरणों में होगा म्यांमार में चुनाव सत्ता हस्तांतरण की वजह से म्यांमार में व्यापक जनविरोध पैदा हुआ, जो गृहयुद्ध में तब्दील हो गया। इस संघर्ष ने कई विवादित क्षेत्रों में चुनाव कराना जटिल बना दिया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में तीन चरणों में मतदान होगा।

क्या म्यांमार में हो रहे आम चुनाव दिखावा हैं आगामी रविवार को मतदान

बैंकॉक। म्यांमार की 80 वर्षीय पूर्व नेता और उनकी पार्टी चुनाव में भाग नहीं ले रही हैं। सू की वर्तमान में उन आरोपों में 27 साल की जेल की सजा काट रही हैं जिन्हें व्यापक रूप से फर्जी और राजनीतिक रूप से प्रेरित माना जाता है। म्यांमार में पांच वर्षों बाद पहली बार रविवार को आम चुनाव का पहला चरण शुरू होगा। आलोचकों का कहना है कि यह प्रक्रिया न तो 2021 में सेना की ओर से सत्ता पर कब्जा करने से देश की नाजुक लोकतंत्र व्यवस्था को बहाल करेगी और न ही देश के कठोर सैन्य शासन की वजह से शुरू हुए विनाशकारी गृहयुद्ध को खत्म करेगी। म्यांमार की सेना ने चुनावों को बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी के रूप में पेश किया है। हालांकि, इसे सैन्य शासन को वैधता दिलाने के लिए एक दिखावा देने की कोशिश

कहा जा रहा है। जो चार साल पहले सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को सत्ता से हटाने के बाद शुरू हुआ था। तीन चरणों में होगा म्यांमार में चुनाव सत्ता हस्तांतरण की वजह से म्यांमार में व्यापक जनविरोध पैदा हुआ, जो गृहयुद्ध में तब्दील हो गया। इस संघर्ष ने कई विवादित क्षेत्रों में चुनाव कराना जटिल बना दिया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में तीन चरणों में मतदान होगा। चुनाव का दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। मानवाधिकार और विपक्षी समूहों का कहना है कि मतदान न तो स्वतंत्र होगा और न ही निष्पक्ष, और सत्ता शायद सैन्य नेता सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग के हाथों में ही रहेगी। आलोचकों को नागरिक शासन की वास्तविक बहाली पर शक है। सरकार पर रहेगा सेना का दबदबा इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के म्यांमार विश्लेषक रिचर्ड हॉर्सी ने कहा कि यह चुनाव उसी सेना की ओर से कराया जा रहा है, जो 2021 के तख्तापलट के पीछे थी। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा, 'ये चुनाव बिल्कुल भी विश्वसनीय नहीं हैं। इनमें उन राजनीतिक दलों में से कोई भी शामिल नहीं है जिन्होंने पिछले चुनाव या उससे पहले के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था।' होर्सी का कहना है कि सेना की रणनीति यह है कि उसकी पसंदीदा यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी भारी बहुमत से जीते। इससे म्यांमार में प्रत्यक्ष सैन्य शासन एक ऐसी सरकार में बदल जाए, जिसमें लोकतंत्र का दिखावा हो और जो सेना के नियंत्रण को बरकरार रखे। इससे सेना को यह दावा करने का मौका मिलेगा कि चुनाव कराने से दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के 11 सदस्यीय संगठन (आसियान) के शांति प्रस्ताव की भावना के अनुरूप समावेशिता की दिशा में प्रगति हुई है, जिसमें सभी संबंधित पक्षों के बीच रचनात्मक संवाद का आह्वान किया गया है ताकि वे लोगों के हित में एक शांतिपूर्ण समाधान खोज सकें।

सरोजिनी पद्मनाथन के पास मंदिरों की कमान

एजेंसी, सिंगापुर। सिंगापुर के हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड ने सरोजिनी पद्मनाथन को नया सीईओ बनाया है। उन्होंने अपने 40 साल के करियर में अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया। अब वह प्रमुख हिंदू मंदिरों और भारतीय संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों का संचालन करेंगी। प्रमुख हिंदू मंदिरों का प्रबंधन करने वाली सिंगापुर में वैधानिक संस्था, हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड (एचईबी) ने जन सेवा को समर्पित एक नेता को अपना नया मुख्य कार्यकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। सरोजिनी पद्मनाथन को एचईबी का सीईओ नियुक्त किया गया। अपने 40 वर्षों के करियर में उन्होंने 1990 के दशक में अस्पतालों के पुनर्गठन और कोविड-19 महामारी के दौरान संगठनात्मक मजबूती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। सरोजिनी पद्मनाथन ने स्वास्थ्य मंत्रालय और हेल्थ साइंसेज अथॉरिटी में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, जहां उन्होंने चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्यबल विकास का नेतृत्व किया। स्थानीय अखबारों के मुताबिक, 57 वर्षीय पद्मनाथन इससे पहले एचईबी की वित्त सदस्य रह चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने वित्तीय प्रशासन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और बोर्ड के संचालन से गहरे से जुड़ी रहीं। प्रमुख हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड सिंगापुर के प्रमुख हिंदू मंदिरों (श्री मरिअम्मन और श्री शिवन जैसे मंदिरों) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा, यह संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक, धार्मिक और परोपकारी कार्यक्रमों की भी देखरेख भी करता है। पद्मनाथन ने चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास का नेतृत्व किया और स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बनाने में योगदान दिया।

चीन के लड़ाकू विमानों ने लगातार दूसरे दिन ताइवान की सीमा में घुसपैठ की दोनों देशों में बढ़ा तनाव

ताइपे। ताइवान की सीमा में एक बार फिर चीन के लड़ाकू विमानों और नौसैन्य जहाजों ने घुसपैठ की है। यह चीन द्वारा ताइवान पर दबाव बनाने की रणनीति है और पहले भी चीन ऐसा कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन के लड़ाकू विमानों और नौसेना के जहाजों ने लगातार दूसरे दिन ताइवान की सीमा में घुसपैठ की। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि चीन के लड़ाकू विमानों और छह नौसैन्य जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। इसके साथ ही दो चीनी गुब्बारे भी ताइवान की सीमा में देखे गए। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने जारी किया बयान ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास

पीएलए (पीपल्स लिबरेशन आर्मी) विमानों के दो चक्कर और चीनी नौसेना जहाजों के छह चक्करों को देखा गया। इस दौरान दो पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के दो गुब्बारे भी देखे गए। ताइवानी सुरक्षा बलों ने स्थिति पर नजर रखी और जवाब दिया।' इससे पहले गुरुवार को भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सुबह 6 बजे के आसपास देश की सीमा में चीनी विमानों के छह चक्कर, आठ नौसैनिक जहाजों को देखा था। चीन पर अंतरराष्ट्रीय दमन में शामिल होने का आरोप ताइवानी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीनी लड़ाकू विमानों ने दो बार मध्य रेखा पार की और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। इस बीच, मेन लैंड अफेयर्स काउंसिल (टअउ) ने चीन पर अंतरराष्ट्रीय दमन और राजनीतिक हेराफेरी में शामिल होने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाए गए हैं जब एक चीनी सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया कि ताइवानी नागरिक चीन में तस्करी में शामिल हैं और उनके जहाज ने इस साल की शुरूआत में समुद्र के नीचे की केबलों को नुकसान पहुंचाया था। जून में, एक ताइवानी अदालत ने टोगो-पंजीकृत जहाज हांग ताई 58 के चीनी कप्तान को तीन साल जेल की सजा सुनाई। उस पर आरोप तय था कि उसने फरवरी में ताइवान के पास समुद्र के नीचे की केबलों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया। हालांकि चीन ने ताइवान के इन दावों को खारिज कर दिया।

ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर किया लंबा चौड़ा पोस्ट पूरे विवाद को बताया वामपंथी साजिश

वॉशिंगटन। जेफ्री एपस्टीन मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में ट्रंप ने मीडिया संस्थानों और वामपंथियों पर उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन पर आरोप लगने से पहले ही वह उससे नाता तोड़ चुके थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिसमस के दिन सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में फिर से बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन विवाद पर अपनी बात रखी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, जेफ्री एपस्टीन से जब सभी लोग अपने संबंध तोड़ रहे थे, उससे बहुत पहले ही उन्होंने, एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। एक लंबी चौड़ी पोस्ट में ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों और मीडिया संस्थानों पर भी उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप का दावा- उन्हें बदनाम करने के लिए एपस्टीन मामले को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा ट्रंप ने लिखा, 'जेफ्री एपस्टीन से प्यार करने वाले कई घिनौने लोगों समेत सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं।' ट्रंप ने दावा किया कि एपस्टीन मामले को एक हथियार के रूप में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इसे एक कट्टर वामपंथी साजिश करार दिया। ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन मामले में अधिकतर डेमोक्रेट्स नेताओं के नामों का खुलासा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टीन से जुड़े लोगों ने खुद को जांच तेज होने पर खुद को उससे अलग कर लिया था और वे अकेले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने ये चलन बनने से बहुत पहले ही एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। ट्रंप बोले- बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा ट्रंप ने कुछ मीडिया संस्थानों पर आरोप लगाया और कहा कि रूस जांच से संबंधित खबरों को लेकर कुछ अखबारों की झूठी रिपोर्टिंग के लिए उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि एपस्टीन मामले में मौजूदा रिपोर्टिंग के पीछे भी यही मकसद है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि एपस्टीन मामले में कई बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा है और उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे एपस्टीन की पार्टियों में शामिल हुए थे। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े मामले में कई फाइल्स जारी की हैं, जिनमें कई बड़ी हस्तियों की तस्वीरें और नाम हैं। यह मामला अमेरिका में बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

मलयेशिया के पूर्व पीएम नजीब रजाक भ्रष्टाचार मुकदमे में दोषी

पुत्रजय। मलयेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद भ्रष्टाचार घोटाले से जुड़े एक मामले में शुक्रवार को दोषी ठहराया गया। हाईकोर्ट ने नजीब को सत्ता के दुरुपयोग के तीन मामलों में दोषी पाया। जेल में बंद मलयेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को शुक्रवार को एक एमडीबी राज्य निवेश कोष से अरबों डॉलर की लूट से जुड़े भ्रष्टाचार के मुकदमे के बाद दोषी ठहराया गया। देश के उच्च न्यायालय ने 72 वर्षीय नजीब रजाक को सत्ता के दुरुपयोग के तीन मामलों में दोषी पाया। बता दें कि शुक्रवार दोपहर तक पूर्व पीएम पर लगे अन्य आरोपों पर फैसला सुनाया जा रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, नजीब ने वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद फंड से 70 करोड़ डॉलर से अधिक की राशि अपने निजी बैंक खातों में डलवाई। नजीब 2009 से 2018 तक मलयेशिया के प्रधानमंत्री रहे। वह पहले से ही वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद से जुड़े एक अन्य मामले में सजा काट रहे हैं, जिसकी वजह से 2018 में उनकी सरकार को चुनावी हार झेलनी पड़ी थी। पहले से जेल में हैं नजीब नजीब को 2020 में एक अन्य मामले में सत्ता के दुरुपयोग, आपराधिक विश्वासघात और मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी ठहराते हुए 12 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। यह मामला एसआरसी इंटरनेशनल से जुड़ा था, जो वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद की एक पूर्व इकाई थी। इसमें 4.2 करोड़ रिंगिट (करीब 10.3 मिलियन डॉलर) की रकम उनके खातों में जाने का आरोप था। अंतिम अपील खारिज होने के बाद अगस्त 2022 में नजीब ने जेल जाना शुरू किया। वह जेल जाने वाले मलयेशिया के पहले पूर्व प्रधानमंत्री बने। 2024 में देश के क्षमादान बोर्ड ने उनकी सजा आधी कर दी और जुर्माने में भी बड़ी कटौती की थी। क्या है वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद घोटाला? नजीब ने 2009 में प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद विकास फंड की स्थापना की थी। वह इसके सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष भी थे और वित्त मंत्री के रूप में उनके पास वीटो पावर थी। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, 2009 से 2014 के बीच नजीब से जुड़े शीर्ष अधिकारियों और सहयोगियों ने वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद से 4.5 अरब डॉलर से अधिक की राशि की लूट की। इस पैसे को अमेरिका, सिंगापुर और स्विट्जरलैंड जैसे देशों के जरिए घुमाया गया। इस रकम का इस्तेमाल हॉलीवुड फिल्मों के निर्माण, लग्जरी होटल, एक महंगी यॉट, कला के बेशकीमती नमूने और गहनों की खरीद में किया गया। उस समय अमेरिका के अटॉर्नी जनरल जेफ सेशंस ने इसे 'सबसे बुरी किस्म की क्लेप्टोक्रेसी (लूटतंत्र)' कहा था। अंतरराष्ट्रीय असर और नजीब का बचाव इस घोटाले का असर वैश्विक स्तर पर पड़ा। वॉल स्ट्रीट तक मामला पहुंचा और निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स को वन मलयेशिया डेवलपमेंट बेरहाद के लिए धन जुटाने में भूमिका निभाने के कारण अरबों डॉलर का जुमार्ना भरना पड़ा। हालांकि नजीब ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि यह पैसा सऊदी अरब से मिला दान था और उन्हें लो ताएक झो (जो लो) नाम के एक फाइनेंसर ने गुमराह किया। नजीब ने यह भी दावा किया कि उनके खिलाफ मुकदमा राजनीतिक बदले की भावना से चलाया गया। लो ताएक झो को इस घोटाले का मास्टरमाइंड माना जाता है, लेकिन वह अब भी फरार है। अभियोजन पक्ष का कहना है कि नजीब ही पूरे घोटाले के केंद्रीय फैसले लेने वाले व्यक्ति और असली लाभार्थी थे, जबकि अन्य अधिकारी केवल उनके आदेशों का पालन कर रहे थे। हाउस अरेस्ट की मांग खारिज; पत्नी भी दोषी इस हफ्ते की शुरूआत में नजीब को एक और झटका लगा, जब हाई कोर्ट ने उनकी सजा को हाउस अरेस्ट में बदलने की मांग खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि पूर्व राजा द्वारा जारी किया गया हाउस अरेस्ट का आदेश संविधान के मुताबिक वैध नहीं था। नजीब के वकील ने इस फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है।

कुछ दस्तावेज पूरी तरह तैयार हैं अमेरिकी दूतों से बातचीत के बाद बोले जेलेंस्की

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि शांति समझौते से जुड़े कुछ दस्तावेज पूरी तरह तैयार हैं। अमेरिकी दूतों से बातचीत के बाद उन्होंने माना कि संवेदनशील मुद्दों पर अभी काम बाकी है। जेलेंस्की ने अमेरिका का आभार जताते हुए उम्मीद जताई कि ये चचाएं यूक्रेन-रूस युद्ध के अंत में मददगार होंगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि प्रस्तावित शांति समझौते के कुछ दस्तावेज 'पूरी तरह तैयार' हैं। यह बयान उन्होंने अमेरिका के दूत स्टीव विटकोफ और जरेड कुश्नर के साथ चर्चा के बाद दिया। एक वीडियो संदेश में जेलेंस्की ने कहा कि दोनों देशों को 'संवेदनशील मुद्दों' को सुलझाना होगा ताकि यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौता हो सके। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, यह अहम है कि अगर हम आज राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप के दूतों के साथ जो चर्चा कर रहे हैं, उसे सफलतापूर्वक आयोजित कर पाएं। जैसा कि मैं देख रहा हूं, कुछ दस्तावेज लगभग तैयार हैं और कुछ दस्तावेज पूरी तरह तैयार हैं। बेशक, संवेदनशील मुद्दों पर अभी भी काम बाकी है। लेकिन हम समझते हैं कि अमेरिकी टीम के साथ मिलकर इसे कैसे व्यवस्थित किया जाए। आने वाले हफ्ते भी काफी व्यस्त हो सकते हैं। धन्यवाद, अमेरिका। पहले गुरुवार को जेलेंस्की ने यूक्रेनी दूतों के साथ मिलकर अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जरेड कुश्नर के साथ चर्चा की और कहा कि स्थायी शांति के लिए 'अच्छे विचार' हैं। अमेरिकी दूतों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा, आज हमारी राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जरेड कुश्नर के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैं उनके रचनात्मक दृष्टिकोण, कड़ी मेहनत, और यूक्रेनी लोगों को दी गई शुभकामनाओं और क्रिसमस की बधाई के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। हम वास्तव में 24७७ काम कर रहे हैं ताकि इस क्रूर रूसी युद्ध के अंत को करीब लाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी दस्तावेज और कदम वास्तविक, प्रभावी और भरोसेमंद हों। उन्होंने आगे कहा, हमने जारी काम के कुछ अहम विवरणों पर चर्चा की। अच्छे विचार हैं जो साझा परिणाम और स्थायी शांति की ओर काम कर सकते हैं। वास्तविक सुरक्षा, वास्तविक पुनर्प्राप्ति और वास्तविक शांति वही कदम हैं जिनकी हम सभी यूक्रेन, अमेरिका, यूरोप और हर उस साझेदार को आवश्यकता है, जो हमारी मदद करता है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आज की बातचीत और जो विचार उन्होंने साथ में साझा किए, वे काम आएंगे या मददगार साबित होंगे। जेलेंस्की ने की पुतिन की मौत की कामना कहा-सबकी यही इच्छा इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर जारी एक वीडियो संदेश में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आलोचना करते हुए उनके मरने की कामना की थी। इस संदेश में जेलेंस्की ने बिना पुतिन का नाम लिए कहा कि आज हम सबका एक सपना है और सभी के लिए एक ही इच्छा है कि वह खत्म हो जाए। जेलेंस्की के इस बयान को रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर इशारा माना जा रहा है। उन्होंने कहा, ईश्वर से मेरी सबसे बड़ी प्रार्थना यूक्रेन में शांति की है। यूक्रेन शांति के लिए लड़ रहा है, प्रार्थना कर रहा है और उसका हकदार भी है। रूस यूक्रेन के दिल, आपसी विश्वास और एकता को कभी नष्ट नहीं कर सकता। आज हम सब एक ही सपना देखते हैं। हम सबकी एक ही इच्छा है। काश वह खत्म हो जाए। जैसा कि हर कोई अपने मन में कहता है। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रूस ने मंगलवार को यूक्रेन पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। यूक्रेन का रूस के तेल और गैस से जुड़े ठिकानों पर हमला : इस बीच यूक्रेन ने रूस के तेल और गैस से जुड़े ठिकानों पर मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं। इसके लिए यूक्रेन ने ब्रिटेन से मिले स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलों और अपने देश में बने लंबी दूरी के ड्रोन का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बताया कि उनकी एयरफोर्स ने स्टॉर्म शैडो मिसाइलों से रूस के रोस्तोव क्षेत्र में स्थित नोवोशाख्तिंस्क तेल रिफाइनरी पर हमला किया। इससे रूस में भारी नुकसान हुआ है।

बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर नेपाल तक आक्रोश

ब्यूरो/एजेंसी। नेपाल के जनकपुरधाम में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन में भीड़ द्वारा मारे गए हिंदू युवक दीपू चंद्र दास के लिए न्याय की मांग की गई और हिंसा को अमानवीय बताया गया। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में गुरुवार को हिंदू संतों सहित बड़ी संख्या में लोग नेपाल के जनकपुरधाम की सड़कों पर उतरे और प्रदर्शन किया। प्राचीन शहर जनकपुर के जानकी मंदिर परिसर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में बांग्लादेश में मारे गए हिंदू युवक दीपू चंद्र दास के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए गए। यह विरोध मार्च रामानंदिया वैष्णव संघ की ओर से आयोजित किया गया था। जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंत राम रोशन दास ने कहा कि उग्र, उपद्रवी भीड़ ने दलित हिंदू दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या कर दी। उन्होंने उसे पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी। यह दिल दहला देने वाला है और हमें अंदर तक झकझोर देता है। आज हिंदू समूहों के संत और युवा इन अत्याचारों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। मैंने नेपाल सरकार को भी चेतावनी दी है कि वह बांग्लादेश पर हर संभव तरीके से दबाव डाले। किसी को भी दूसरों को मारने का अधिकार नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को अमानवीय और धर्म के नाम पर मानवता के खिलाफ अपराध बताया। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को अमानवीय और धर्म के नाम पर मानवता के खिलाफ अपराध बताया। उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को तत्काल समाप्त करने की मांग करते हुए नारे लगाए व विरोध प्रदर्शन के दौरान झंडा जलाया। यूनुस के शासन में जिंदा जलाए जा रहे हिंदू : हसीना बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने क्रिसमस के मौके पर अपने संदेश में कहा कि अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के शासन में हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहा है। हिंदुओं को जिंदा जलाया जा रहा है। बांग्लादेश में अवैध रूप से सत्ता पर काबिज मौजूदा सरकार ने सभी धर्मों और समुदायों के लोगों की अपने-अपने धर्मों का पालन करने की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप कर रही है। बांग्लादेश में विशेषकर गैर-मुसलमानों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसने धार्मिक अल्पसंख्यकों को जलाकर मारने जैसी भयावह मिसालें भी कायम की हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि बांग्लादेश के लोग इस अंधकारमय समय को अब और जारी नहीं रहने देंगे। भीड़ ने की थी दीपू की पीट-पीटकर हत्या, हर तरफ आक्रोश पिछले सप्ताह बांग्लादेश के मयमनसिंह शहर में दीपू चंद्र दास की भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, जिससे नेपाल और भारत में आक्रोश फैल गया है।

तुर्किये ने शुरू की ब्लैक बॉक्स की जांच विमान हादसे में लीबियाई सैन्य प्रमुख समेत हुई थी आठ की मौत

इस्तांबुल। विमान हादसे की जांच के लिए लीबियाई अधिकारियों के साथ तुर्किये तालमेल बिठा रहा है। गौरतलब है कि तुर्किये पश्चिमी लीबिया की सरकार का मुख्य समर्थक रहा है, लेकिन उसने हाल ही में पूर्वी लीबिया की सरकार के साथ भी संबंध सुधारने के लिए भी कदम उठाए हैं। तुर्किये ने विमान हादसे में लीबिया के सैन्य प्रमुख समेत आठ लोगों की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि विशेषज्ञों ने तुर्किये में हुई विमान दुर्घटना में बरामद ब्लैक बॉक्स की जांच शुरू कर दी है। यह जांच लीबियाई अधिकारियों के साथ मिलकर की जा रही है। पश्चिमी लीबिया के सैन्य प्रमुख जनरल मुहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद, चार अन्य सैन्य अधिकारियों और तीन चालक दल के सदस्यों को ले जा रहा निजी विमान मंगलवार को तुर्किये की राजधानी अंकारा से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी। शुरूआती जांच में विमान हादसे की ये वजह आई सामने एपी की रिपोर्ट के मुताबिक लीबियाई अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की वजह विमान में तकनीकी खराबी थी। अल-हद्दाद पश्चिमी लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर थे और उन्होंने लीबिया की सेना को एकजुट करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से चल रहे प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तुर्किये और लीबिया, दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से अंकारा में रक्षा वार्ता आयोजित करने के बाद उच्च स्तरीय लीबियाई प्रतिनिधिमंडल लीबिया की राजधानी त्रिपोली लौट रहा था। तुर्किये के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया के अनुसार, मलबा 3 वर्ग किलोमीटर (एक वर्ग मील से अधिक) के इलाके में बिखरा हुआ था, जिससे बचाव कार्य जटिल हो गया। जहाज पर मारे गए लोगों के पांच परिवार सदस्यों सहित 22 लोगों का एक

प्रतिनिधिमंडल जांच में सहायता करने के लिए बुधवार तड़के लीबिया से पहुंचा। विद्रोह के बाद लीबिया के हुए दो टुकड़े 2011 में हुए विद्रोह के बाद लीबिया में अराजकता फैल गई, जिसने लंबे समय तक सत्ता में रहे तानाशाह मोअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल कर दिया और उनकी हत्या कर दी।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।